हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 283 देहरादून, बुधवार, 08 मई 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

बदरीनाथ : 50 साल बाद शुरू हुई यह परंपरा महाराजा मनुजयेंद्र शाह ने किया रावल का पट्टाभिषेक 3

जंगल में आग लगाने वाले लोगों की संपत्ति होगी जब्त

गुंडा एक्ट होगा तामील, सीएम धामी के सख्त आदेश

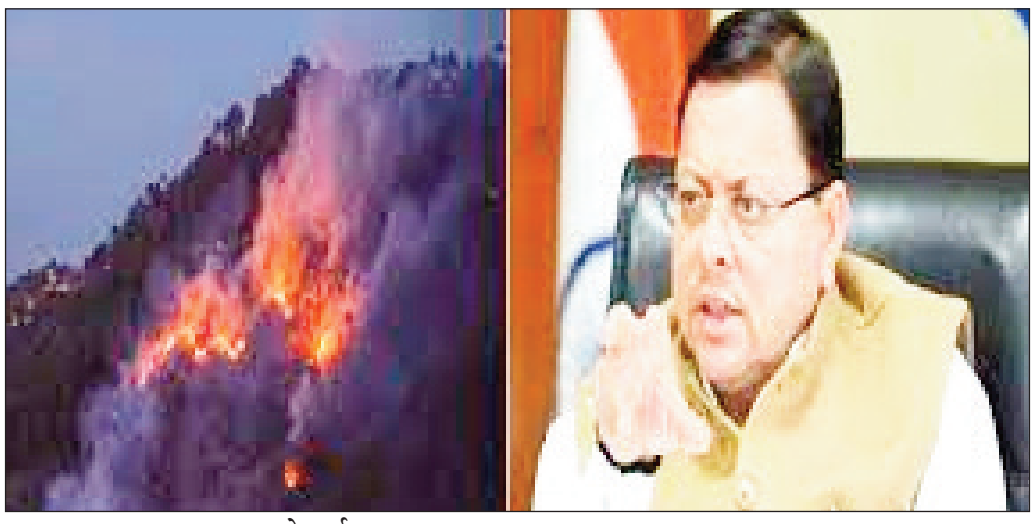

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 8,मई जंगल में आग की रोकथाम और इसमें लिप्त लोगों पर अंकुश लगाने के लिए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में समीक्षा बैठक करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेश के क्रम में लिए कड़े फैसले ,समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव ने बताया कि आग की घटनाओं को रोकने के लिए कार्ययोजना बनाई गई है जिसमें राज्य के जिलों में जिलाधिकारियों ने टीम का गठन कर दिया है।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट कर दिया है कि जंगल में आग लगाने वाले लोगों को चिन्हित करके उन पर अब कठोर कार्यवाई का फैसला सरकार ने किया है। राज्य के जंगलों में आग की लगातार सामने आ रही घटनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार सख्त हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि जंगलों में बार-बार आग लगाने की वारदातों में पकड़े जाने वाले व्यक्तियों से कड़ाई से पेश आया जाएगा उन पर अब गुंडा एक्ट लगाया जाएगा और ऐसे व्यक्तियों की संपत्ति भी सरकार जब्त करेगी।

आइआइ टी रुड़की की सहायता से क्लाउड सीडिंग के प्रस्ताव पर भी विचार

शासन ने जंगलों की आग पर काबू पाने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर नकेल कसने के कड़े संकेत दे दिए हैं। अल्मोड़ा वन प्रभाग में आने वाले जोरासी के रेंज अधिकारी गोपाल दत्त जोशी को लापरवाही बरतने पर प्रभागीय कार्यालय से संबद्ध किया है। मुख्य सचिव रतूड़ी ने कहा कि जंगलों की आग रोकने के प्रयासों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि जंगलों की आग पर नियंत्रण पाने के लिए आइआइटी रुड़की की सहायता से क्लाउड सीडिंग के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है।सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने प्रदेश के वनों में लगातार लग रही आग की घटनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री धामी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा बैठक की।महत्वपूर्ण बैठक की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव ने बताया कि आग की घटनाओं नियंत्रण के लिए मजबूत कार्य योजना बनाई गई है। मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारियों ने टीमों का गठन कर दिया है।

वनाग्नि नियंत्रण पर सरकार के प्रयास

उत्तराखंड शासन जंगलों में आग की घटनाओं पर काबू पाने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है ,इसके लिए सरकारी अधिकारी कर्मचारियों के साथ ही लोकल लोगों का भी सहयोग ले रहा है। आपदा प्रबंधन अधिकारी, डीएफओ, पुलिस अधिकारियों व फायर वाचर की ये टीम आग बुझाने के कामों में लगी हुई हैं और इनका सहयोग करने के लिए युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, पीआरडी कर्मी, होमगार्ड, पीएसी जवान व स्वयं सहायता समूहों को लगाया जाएगा।वनों में आग लगाने की घटनाओं में शामिल व्यक्तियों पर फारेस्ट एक्ट व वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कार्यवाही की जाएगी और इसके साथ ही सरकार के द्वारा हाल ही में पारित निजी संपत्ति क्षतिपूर्ति एक्ट के तहत भी कार्यवाही की जाएगी।मुख्य सचिव ने बताया कि जंगलों की आग से प्रभावित स्थानों पर हेलीकॉप्टर की सहायता से भी पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है।

रील बनाने के लिए जंगल में लगा दी आग लोगों की मानसिकता खराब : डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,8 ,मई सरकार और वन विभाग उत्तराखंड के जंगलों की आग पर काबू पाने के लिए जहाँ जूझती नजर आ रही है वहीं कुछ सिरफिरे सोशल मीडिया पर चमकने लिए जानबूझकर जंगल में आग लगाने का काम कर रहे हैं ,आग के ऐसे ही एक मामले में बिहार के दो लड़कों को गिरफ्तार किया है ,जबकि जानबूझकर जंगल में आग लगाने के अन्य मामले में पुलिस ने 10 मुकदमे दर्ज किए हैं, इनमें चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है ,जबकि छह अज्ञात हैं। वन विभाग ने अभी तक कुल 351 मुकदमे दर्ज किए हैं, जिसमें 290 अज्ञात, जबकि 61 नामजद मुकदमे हैं। डीजीपी अभिनव कुमार के मुताबिक, वन विभाग , पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा, कुछ लोगों की मानसिकता इतनी खराब हो चुकी है कि रील बनाने के लिए जंगल में आग लगाने जैसे मामलों को अंजाम दे रहे हैं ,उन्होंने बताया कि ऐसे ही एक मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जंगल को आग से बचाने वाले लोगों को सरकार करेगी पुरस्कृत

जंगल को आग से बचाने की सरकार की अपील की बाद जो लोग वनाग्नि नियंत्रण में अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं ऐसे लोगों को पुरस्कृत करने की बात मुख्य सचिव ने कही है उन्होंने कहा कि सरकार उन गांवों को पुरस्कृत करेगी,जहां गांव वालों ने अपने गांवों को जंगल की आग से बचाने का काम किया है।मालूम हो कि वनाग्नि प्रबंधन समिति के तहत भी पुरस्कार की व्यवस्था की गई है।

सूचना के मुताबिक गढ़वाल से कुमाऊं तक बीते सोमवार को 20 जगह जंगल धधके, जिससे 52 हेक्टेयर से अधिक का वन क्षेत्र आग से प्रभावित हुआ है।अभी तक गढ़वाल में सबसे अधिक 10 और कुमाऊं में नौ घटनाएं प्रकाश में आई हैं। वनों की आग पर काबू पाने के लिए एनडीआरएफ के साथ ही एयरफोर्स का भी सहयोग लिया जा रहा है।

हेलीकॉप्टर से दो राउंड में लगभग पांच हजार लीटर पानी का छिड़काव आग बुझाने के लिये किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर से आग बुझाने का अभियान चालू रहेगा और कृत्रिम बारिश के लिए अन्य तकनीकी संस्थाओं के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सबसे अधिक 491 घटनाएं कुमाऊं और 365 घटनाएं गढ़वाल में हुईं है ,वहीं 74 मामले वन्यजीव क्षेत्र के हैं। उत्तराखंड के जंगलों की आग से राज्य में अब तक 930 घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे 1,196 हेक्टेयर क्षेत्र से अधिक जंगल जल चुका है।आग से अब तक पांच लोगों की मौत और चार लोगों के झुलसने की खबर है। वन विभाग के अफसरों ने बताया है कि संवेदनशील जिलों में जरूरत पड़ने पर पुलिस, पीएसी, होमगार्ड और पीआरडी के जवानों की भी मदद ली जाएगी।

वन विभाग के मुताबिक वन क्षेत्रों के गावों में महिला और युवक मंगल दलों के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाओं ,नागरिकों को भी आग बुझाने में फायर वाचर के रूप में सहयोग लिया जा रहा है । जंगलों में आग को रोकने के लिए खरपतवार और कूड़ा जलाने पर भी रोक लगा दी गई है। जंगलों में आग लगाने वालों से सख्ती से निपटा जा रहा है। अब तक 383 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें 315 अज्ञात और 60 नामजद लोग शामिल हैं।

उत्तरकाशी : पहाड़ में बाइक सवारों पर गिरा पेड़, दो लोगों की मौके पर मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 08 मई : मोरी में आंधी तूफान की वजह से एक भारी भरकम चीड़ का पेड़ सड़क पर आ गिरा, जिसकी चपेट में बाइक आ गई जिसमें सवार दो युवकों की जान चली गई। इस घटना के बाद मृतकों के घर पर कोहराम मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीती दोपहर करीब साढ़े 3 बजे मोरी से कुछ ही दूरी पर पुरोला-मोरी रोड पर हिसरा बैंड के पास आंधी तूफान की वजह से अचानक एक चीड़ का पेड़ बाइक सवारों पर आ गिरा, जिससे दोनों बाइक सवारों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा अचानक हुआ जिस कारण उन्हें थोड़ा भी संभलने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद से लोगों को इस मार्ग पर आवाजाही करने में डर लग रहा है।मोरी के तहसीलदार जबर सिंह ने बताया कि तेज आंधी तूफान होने से चीड़ का पेड़ दो बाइक सवारों पर गिरा है। जिसमें घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई, शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी भेजा गया है। मृतकों की पहचान प्रकाश चंद जो कि सरकारी स्कूल में शिक्षक थे और दूसरा शाहिद जो नाई का काम करता था के रूप में हुई है। राजस्व विभाग और पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए बेहद फायदेमंद हैं ये एक्सरसाइज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 : हर साल मई के पहले मंगलवार का दिन दुनियाभर में अस्थमा दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य अस्थमा बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस बीमारी में सांस लेने में तकलीफ होती है। सांस की नली में सूजन आ जाती है और बहुत ज्यादा कफ बनने लगता है।

अस्थमा के मरीजों को स्वस्थ बने रहने के लिए अपने खानपान और डेली रूटीन पर खासतौर से ध्यान देने की सलाह दी जाती है। स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज ये दो सबसे जरूरी चीज़ें हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अस्थमा पेशेंट्स के लिए एक्सरसाइज करना खतरनाक हो सकता है, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ खास तरह की एक्सरसाइज करने से अस्थमा के मरीजों को फायदा पहुंचता है। जानेंगे यहां उनके बारे में।

1. स्वीमिंग करनाअस्थमा पेशेंट्स के लिए तैराकी करना बहुत ही अच्छी एक्सरसाइज है। स्वीमिंग करने से सांस लेने वाली मसल्स मजबूत होती है। साथ ही पूरी बॉडी फिट रहती है।

2. टहलनाअस्थमा से परेशान लोगों को रोजाना सुबह-शाम टहलने के लिए वक्त निकालना चाहिए। इससे अस्थमा में तो फायदा होगा ही साथ ही और भी कई फायदे मिलते हैं।

3. खेलनाअस्थमा के मरीजों के लिए अलग-अलग तरह के स्पोर्ट्स भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। फिर चाहे वो बैडमिंटन हो या फिर फुटबॉल।

4. योगअस्थमा मरीजों को अपने डेली रूटीन में योग को जरूर शामिल करना चाहिए। योग में सिर्फ आसन ही नहीं शामिल होते, बल्कि ब्रीदिंग एक्सरसाइजेस से फेफड़ों की कार्य क्षमता बढ़ती है। शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे अस्थमा के साथ-साथ कई और दूसरी समस्याओं में भी फायदा मिलता है।

एक्सरसाइज करते वक्त बरतें ये सावधानियांनाक से सांस लेंअस्थमा में आप जिस भी तरह की एक्सरसाइज करें, ध्यान रखें कि आपको नाक से ही सांस लेनी है। मुंह से सांस लेने की गलती परेशानी बढ़ा सकती है।मास्क लगाएंमास्क आपको सेफ रखने के लिए बहुत ही बड़ा हथियार है, इसलिए एक्सरसाइज के दौरान भी इसे लगाकर रखें।प्रदूषण से बचेंसुबह- सुबह एक्सरसाइज करना फायदेमंद होता है, लेकिन इसकी शुरुआत करने से पहले एक बार पॉल्यूशन का लेवल जरूर चेक कर लें। अगर ये ज्यादा है, तो किसी भी तरह की आउटडोर एक्टिविटी करने से बचें। क्योंकि प्रदूषण भी अस्थमा की स्थिति को गंभीर बना सकता है।बीमारी में न करें व्यायामकिसी भी एक्सरसाइज को करने का फायदा तभी मिलता है जब आप उसे निरंतर करें, लेकिन अगर किसी वजह से अस्थमा की परेशानी बढ़ गई है, तो ऐसी स्थिति में निरंतरता को भूलकर सेहत पर फोकस करें।

Travel Tips : सोलो ट्रैवलिंग करते वक्त न करें ये गलतियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : सोलो ट्रिप सोचकर तो बहुत बोरिंग लगता है, लेकिन सोलो ट्रिप ही सक्सेसफुल हो पाते हैं। दोस्तों के चक्कर में घूमने- फिरने का प्लान कैंसल ही होता रहता है, लेकिन सोलो ट्रैवलिंग इतनी आसान भी नहीं होती। सारी प्लानिंग अकेले ही करनी पड़ती है और सेफ्टी इसमें सबसे बड़ा कंसर्न होता है। हालांकि सोलो ट्रैवलिंग के नुकसान कम, फायदे ज्यादा हैं। अगर आप भी दोस्तों के चलते नहीं कर पा रहे हैं घूमने की प्लानिंग, तो एक बार जरूर ट्राई करें सोलो ट्रैवलिंग।

इसके बाद ही आपको इसके फायदों के बारे में पता चलेगा। हालांकि अकेले घूमने के दौरान आपको थोड़ा ज्यादा केयरफुल रहने की जरूरत होती है। छोटी सी भी लापरवाही बड़ी मुसीबत बन सकती है। आइए जानते ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में जिनसे आपको अकेले यात्रा के दौरान बचना चाहिए।

मैप रखें साथसोलो ट्रैवलिंग की शुरुआत भले ही आसपास की छोटी जगह से ही करें, लेकिन वहां के बारे में पूरी डिटेल्स अपने साथ रखें। बस, ट्रेन आदि के द्वारा वहां तक पहुंचने की रास्ता। आसपास होमस्टे आदि की डिटेल्स सफर को आसान बनाने का काम करती है। अगर कोई डेस्टिनेशन बिल्कुल ही नई है, तो फिर वहां का मैप जरूर साथ रखें।

वाई-फाई का इस्तेमाल सोच-समझकर करें सोलो ट्रैवलिंग के दौरान जो दूसरी गलती से आपको बचना है वो है पब्लिकली वाई-फाई के इस्तेमाल से। इंटरनेट आज के समय में बहुत बड़ी जरूरत है, लेकिन कई बार हम इसके चलते लोगों को बड़ा चूना लग जाता है। बिना सिक्योरिटी पब्लिक वाईफाई इस्तेमाल करने से पर्सनल डाटा चोरी होने की संभावना रहती है। कई जरूरी इंफॉर्मेशन लीक हो सकती है और आप मुसीबत में पड़ सकते हैं, तो सोच-समझकर इसका इस्तेमाल करें।

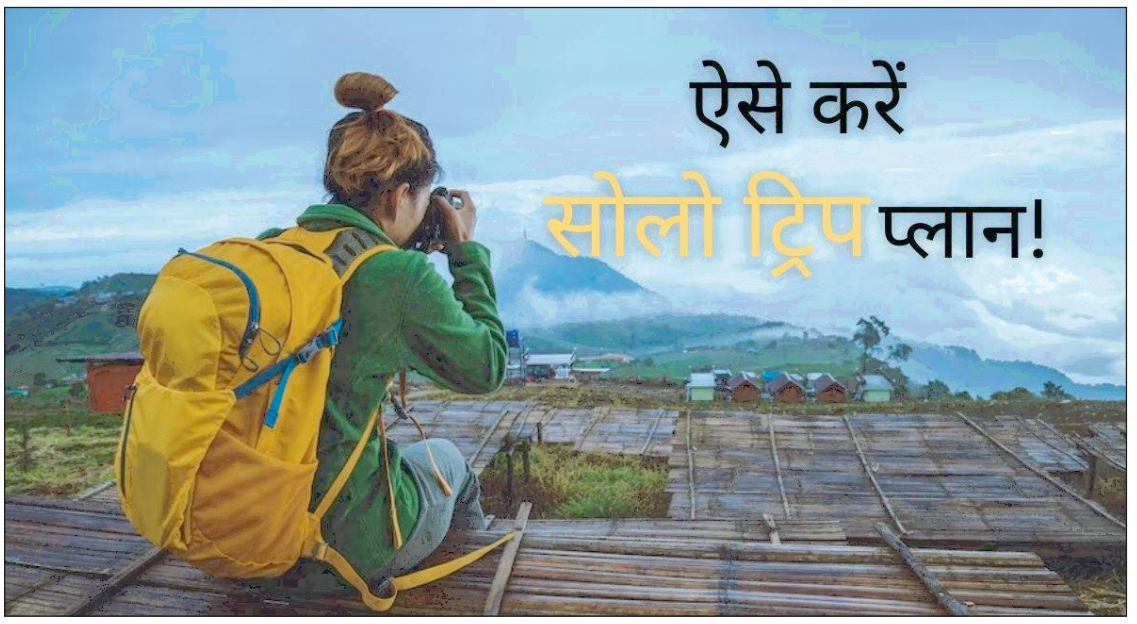

घूमने की जानकारी अपनों के साथ शेयर करेंये गलती ज्यादातर लोग करते हैं। घूमने-फिरने की डिटेल्स किसी के साथ शेयर नहीं करते। कुछ मामलों में ये ठीक है, लेकिन कुछ मामलों में गलत। मतलब आप कहां जा रहे हैं, कितने दिनों के लिए जा रहे हैं, इसकी जानकारी अपने घर-परिवार वालों से शेयर करने मे कोई दिक्कत नहीं। ट्रिप के दौरान अगर आपके साथ कुछ गलत, किसी तरह का एक्सीडेंट होता है, तो अगर आपके परिवार वालों को पता ही नहीं होगा, तो वो आपको कैसे ढूंढेंगे।

ये है दुनिया का सबसे ऊंचा झूला, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग जितनी है ऊंचाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : दुनिया का सबसे ऊंचा झूला चीन में है, जिसे गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड्स ने सर्टिफाइड किया है. यह झूला चोंगकिंग में स्थित है, जिसकी ऊंचाई 108 मीटर है, जो लगभग 30 मंजिला इमारत के बराबर है. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ये झूला देश के साउथ-वेस्ट में स्थित 700 मीटर की चट्टान की चोटी के किनारे लगा हुआ है. इस झूले पर सवारी करने के लिए तगड़ा जिगरा चाहिए, क्योंकि झूलते ही लोगों की चीख निकल जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह झूला इंद्रधनुषी रंगों से रंगा हुआ है, जिससे यह देखने में काफी आकर्षक लगता है. यह झूला 330 फुट ऊंचे मेहराब और 355 फुट ऊंचे लॉन्चिंग टॉवर से बना है, जो 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक चल सकता है. झूले पर झूलने वाले लोग हवा में 88 मीटर (करीब 290 फीट) की ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस झूले का एक फोटो भी वायरल हो रहा है, जिसमें आप देख सकते हैं कि यह झूला देखने में कैसा और किस तरह से पहाड़ी की चोटी पर बना हुआ है. झूले के एक साइड पर गहरी खाई है, झूलते समय जिसे देखते ही यकीनन लोगों का कलेजा कांप जाता होगा। यह झूला कमजोर दिलों वालों के लिए नहीं है, क्योंकि इसकी सवारी करने के लिए काफी हिम्मत

चाहिए. हालांकि जब लोग इस झूल पर झूलते हैं तो उनकी सेफ्टी का पूरा ख्याल रखा जाता है. उनको सुरक्षा उपकरण पहनाए जाते हैं, जिससे गंभीर स्थिति बनने पर उनकी जान को कोई खतरा ना हो. अधिकांश जब इस झूले पर झूलते हैं, तो उनकी चीखें निकल जाती हैं, चट्टानों में चारों ओर गूंजती हैं। यह युनयांग काउंटी में लॉन्ग गैंग दर्शनीय स्थल के पास स्थित है, जो लोग इस पर झूलने का साहस दिखाते हैं. उनको झूले पर सवार होने से पहले सुरक्षा उपकरण पहना दिए जाते हैं, जिसके बाद वे हवा में 88 मीटर की ऊंचाई तक जाने का अनुभव ले पाते हैं. इससे पहले सबसे ऊंचे झूले का वर्ल्ड रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका स्थित बिग रख स्विंग के नाम था, जो चीन के इस झूले से 12 मीटर ही छोटा है।

खाना खाने के बाद पानी पीना कितना सही , जानें एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : ऐसा माना जाता है कि खाना खाते वक्त या फिर खाना खाने के बाद तुरंत पानी पी लेने से आपका पाचन खराब हो सकता है। कई आयुर्वेदिक एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि खाना खाने के कम से कम आधे घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। हालांकि, कई बार आप प्यास को कंट्रोल कर पानी नहीं भी पीते हैं, लेकिन इससे चक्कर में 2-3 घंटे बाद आपको पानी की याद आती है। इसकी वजह से आप डीहाइड्रेटेड हो सकते हैं।

पोषण विशेषज्ञ भुवन रस्तोगी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि भोजन के समय पानी नहीं पीना चाहिए। ₹कई लोगों का मानना होता है कि खाने के साथ या तुरंत बाद में पानी पीने से डाइजेस्टिव एंज़ाइम्स घुल जाते हैं और पाचन पर असर डालते हैं। अभी तक इसका समर्थन करने के लिए कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, इसलिए इसे कैसे मान लिया जाए?

पोषण विशेषज्ञ ने दूसरा लॉजिक देते हुए कहा कि हमारे खाने में वैसे भी कई सारे तरल पदार्थ होते हैं, और उनसे कोई नुकसान नहीं होता। हम सूप पीते हैं, सलाद में 80 से 90 फीसदी पानी होता है। पारंपरिक खाने की बात करें, तो हरी सब्जियों में पानी की मात्रा काफी होती है, सब्ज़ी में ग्रेवी भी पानी से ही बनाई जाती है। हम खाने के साथ छाछ पीते हैं। खाना खाने के बाद पानी न

पीना असल में नुकसान कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम खाने के बाद पानी पीने के लिए काफी देर इंतज़ार करते है, जिससे लंबा समय शरीर में पानी नहीं जाता।

कई लोग खाना खाने से एक घंटा पहले और बाद में 2 घंटा पानी नहीं पीते। इससे वह दिनभर में 3-4 लीटर पानी नहीं पी पाते और शरीर में पानी की कमी होने लगती है। पानी की कमी से जल्दी-जल्दी कब्ज, एसिडिटी, यूरिन इन्फेक्शन, किडनी स्टोन्स आदि का जोखिम बढ़ता है। भुवन रस्तोगी का मानना है कि खाते समय पानी न पीने की जगह बेहतर है कि फोकस इस बात पर करें कि पानी का सेवन कैसे बढ़ाएं। अगर आप दोनों बातों का पालन कर पाते हैं, तो अच्छा है, लेकिन अगर इस चक्कर में कम पानी पी रहे हैं, तो यह सेहत को नुकसान पहुंचाएगा।

बदरीनाथ : 50 साल बाद शुरू हुई यह परंपरा
महाराजा मनुजयेंद्र शाह ने किया रावल का पट्टाभिषेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 मई : चार धाम यात्रा 10 मई से शुरू हो रही है जिसमें गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए 10 मई को खोले जायेंगे। वहीं बदरीनाथ के कपाट 12 मई को खुलेंगे और टिहरी राजदरबार में 50 साल पहले समाप्त हुई ऐतिहासिक परंपरा को पुनर्स्थापित किया गया।

चारधाम यात्रा शुरू होने के मात्र कुछ ही दिन शेष हैं, श्रद्धालु बेसब्री से चारों धामों के कपाट खुलने का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुल रहे है इससे पहले बदरीनाथ धाम से संबंधित पांच दशक पहले समाप्त हुई रावल पट्टाभिषेक की ऐतिहासिक परंपरा पुनः जीवित हो गई है। टिहरी राजदरबार नरेंद्र नगर में पूजा-अर्चना और विधि-विधान के साथ महाराजा मनुजयेंद्र शाह के द्वारा

बदरीनाथ धाम के रावल का पट्टाभिषेक किया गया।

वर्ष 1977 में शुरू हुई थी परंपरायह परंपरा वर्ष 1977 में रावल टी केशवन नंबूदरी का पट्टाभिषेक से शुरू हुई थी लेकिन इसके बाद यह परंपरा रुक गई और इस वर्ष फिर से पांच दशक के बाद इसे शुरू किया गया है।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने इसके लिए पहल की और राज दरबार में पूजा अर्चना के पश्चात रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी को महाराजा मनुज्येंद्र शाह सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, बेटी शिरजा शाह सहित बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय और उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी उपस्थिति थे।

समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय और उपाध्यक्ष किशोर पंवार की उपस्थिति में अंग वस्त्र भेंट कर सोने का कड़ा पहनाया गया। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि रावल की नियुक्ति मंदिर समिति एक्ट 1939 से पहले महाराजा टिहरी की ओर से होती थी, यह पट्टाभिषेक और सोने का कड़ा उसी परंपरा का एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक प्रतीक चिह्न है।

उत्तराखंड : आयोग ने जारी किया PCS-J का रिजल्ट, विशाल ठाकुर बने टॉपर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 08 मई : लोकसेवा सेवा आयोग ने पिछले वर्ष पांच दिसंबर से नौ दिसंबर तक PCS-J की मुख्य परीक्षा कराई थी। इसके बाद 30 अप्रैल से 3 मई तक कंप्यूटर परीक्षा व साक्षात्कार किया गया। अब बीते परीक्षाफल घोषित किया गया है जिसमें कुल 16 युवा सफल घोषित किए गए हैं।

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) ने उत्तराखंड न्यायिक सेवा सिविल न्यायाधीश परीक्षा 2022 के रिजल्ट जारी कर दिए हैं, इसमें कुल 16 युवाओं ने बाजी मारी है।

जिसमें विशाल ठाकुर सामान्य वर्ग से इस परीक्षा में टॉपर रहे हैं। साथ ही इस परीक्षा परिणाम में क्रमशः अन्य छात्रों के नाम निम्न हैं जिसमें श्रृष्टि बनियाल, योगीश गुप्ता, प्रज्ञा तिवारी, परमिंदर कौर, प्रिया अग्रवाल, अनुभूति गोयल, अश्मिता चौहान, गुंजन सिसौदिया, मोहम्मद वसीक, काजल रानी, नेहा, धनिष्ठ आर्य, आकाश कुमार, परितोष और ज्योति सिंह ने परीक्षा पास की है। आयोग ने परीक्षा के कटऑफ मार्क्स, इंटरव्यू मार्क्स और मेंस एग्जाम मार्क्स भी जारी कर दिए हैं। आप इन्हें ऑफिसियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। https://psc.uk.gov.in/candidate-corner/results

कविता लेखन में ऋषभ और एकल गीत में तुषार अव्वल

नई टिहरी।राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग का वार्षिक समारोह विगत सोमवार को छात्र-छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने सांस्कृतिक, खेल और नमामि गंगे अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वार्षिक समारोह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अर्चना धपवाल ने किया। कार्यक्रम में छात्रा उन्नति शर्मा की सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के बाद ईशा, शालिनी, वंदना और काजल ने मनमोहक गढ़वाली लोकगीत नृत्य प्रस्तुत किया। कविता लेखन में प्रथम रहे ऋषभ ने अपनी विजेता कविता का पाठ किया। जबकि तुषार ने मधुर एकल गीत प्रस्तुत किया। एकल गायन में तुषार, काजल और सुखदेव विजेता रहे। एकल नृत्य में शालिनी, वंदना रावत, किरण, सामूहिक नृत्य में मनीषा, सलोनी, संजना, तानिया, किरण और अंकित को पुरस्कृत किया गया। फैंसी ड्रैस में शिवानी, चांदनी, वंदना और कविता लेखन में ऋषभ, गीतिका और समीक्षा को पुरस्कृत किया गया। वहीं 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में ऋषभ नेगी, शाहिल चंद, साहिल, बालिका वर्ग में शीला, वंदना और काजल, 200 मीटर बालक वर्ग में शाहिल चंद, प्रियांशु प्रभात, साहिल और बालिका वर्ग में शीला, काजल वंदना, 400 मीटर बालक वर्ग में साहिल, प्रियांशु प्रभात और सौरभ, 800 मीटर बालक वर्ग में साहिल, प्रियाशु प्रभात और शाहिल चंद, गोला फेंक बालक वर्ग में अरविंद सिंह, साहिल व आकाश नेगी, बालिका वर्ग में शिवानी, काजल और शीला। चक्का फेंक बालक वर्ग में अरविंद, संदीप, साहिल और बालिका वर्ग में काजल, शिवानी व शीला, भाला फेंक बालक वर्ग में साहिल चंद, अरविंद सिंह, साहिल और बालिका वर्ग में काजल, शिवानी एवं वंदना। लंबी कूद बालक वर्ग में साहिल चंद, ऋषभ नेगी, शेखर रावत और बालिका वर्ग में काजल, वंदना रावत। ऊंची कूद बालक वर्ग में शेखर रावत, ऋषभ नेगी, आकाश नेगी, बालिका वर्ग में काजल, शीला एवं शिवानी को पुरस्कृत किया गया। बैडमिंटन में विजेता आकाश नेगी और सौरभ सिंह उपविजेता, कैरम बालक वर्ग में प्रियांशु विजेता और सचिन उपविजेता, बालिका वर्ग में शिवानी विजेता और समीक्षा उपविजेता, शतरंज में गौरव विजेता व सौरभ उपविजेता रहे। प्राचार्य ने स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

उत्तराखंड : गर्मी हर रोज तोड़ रही है रिकॉर्ड, हीट वेव का अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 मई : अगले दो दिन पहाड़ों में कुछ जगहों पर बादल छाए रह सकते हैं और कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मैदानी क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहेंगे, जिससे मौसम शुष्क रह सकता है। मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं।

उत्तराखंड में लगातार तापमान में वृद्धि हो रही है जिससे गर्मी बढ़ने लग गई है और दूसरी तरफ प्रदेश में वनाग्नि ने विक्राल रूप धारण कर लिया है जिसके चलते पहाड़ों पर धुंध छाई हुई है। गर्म हवा ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। आगामी दिनों में तापमान बढने की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव का अलर्ट जारी कर दिया है। सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने इसे लेकर एक विस्तृत एडवाइजरी भी जारी की है। उन्होंने गर्मी से संबंधित बीमारियों के बढ़ते खतरे से निपटने एवं बचाव के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। पर्वतीय जिलों में

30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली चमकने को लेकर येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है। फिलहाल तापमान में कोई खास परिवर्तन के आसार नहीं हैं। मैदानी क्षेत्रों में तापमान में बढ़ोतरी के साथ हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने जारी किये गए एडवाइजरी में कहा है कि हीट वेव से संबंधित बीमारियों के लक्षणों की त्वरित पहचान, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए चिकित्सा अधिकारियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। साथ ही समस्त चिकित्सा इकाइयों में आवश्यक दवाइयों, आईवी फ्लूडस, आइस पैक, ओआरएस और आवश्यक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। सभी चिकित्सा इकाइयों पर ठंडे पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। समस्त चिकित्सा इकाइयों में रेट वाटर हार्वेस्टिंग एवं वाटर रिसाइक्लिंग के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि गर्मी जानलेवा भी हो सकती है इसलिए इसमें सावधान रहना बहुत जरूरी है। गर्मी लगने से कमजोरी, चक्कर आना, अत्याधिक थकान, जी मचलना, शरीर में ऐंठन, तेज धड़कन व भ्रम की स्थिति बन सकती है, इसलिए आजकल दिनभर में खूब पानी पिएं। साथ ही ओआरएस और घर में बने पेय पदार्थ जैसे शिकंजी, नारियल पानी, छांछ का उपयोग करें।

जब भी बहार निकलते हो तो धूप से बचने के लिए चश्मा, टोपी व छाते का उपयोग करें। उन्होंने सलाह दी कि उच्च प्रोटीन पदार्थों का सेवन सीमित किया जाए एवं बासी भोजन से बचा जाए।

देहरादून का अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस था वहीं पंतनगर का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस रहा और नई टिहरी का अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बच्चों की हैंडराइटिंग गंदी है तो इन तरीकों से कराएं सुधार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : बच्चों का आधा बचपन तो अपनी हैंडराइटिंग सुधारने में ही निकल जाता है. ऐसे बहुत से बच्चे हैं जिनकी हैंडराइटिंग खराब दिखती है तो उन्हें स्कूल और ट्यूशन दोनों जगह के टीचर से ही डांट सुनने को मिलती है. वहीं, माता-पिता को भी यही टेंशन रहती है कि बच्चे की हैंडराइटिंग कब सुधरेगी और कैसे सुधरेगी. तो यहां जानिए सही तरीका. कुछ टिप्स बच्चे की लिखावट को सुंदर बनाने में अच्छा असर दिखाते हैं और इन तरीकों को आजमाना भी आसान है।

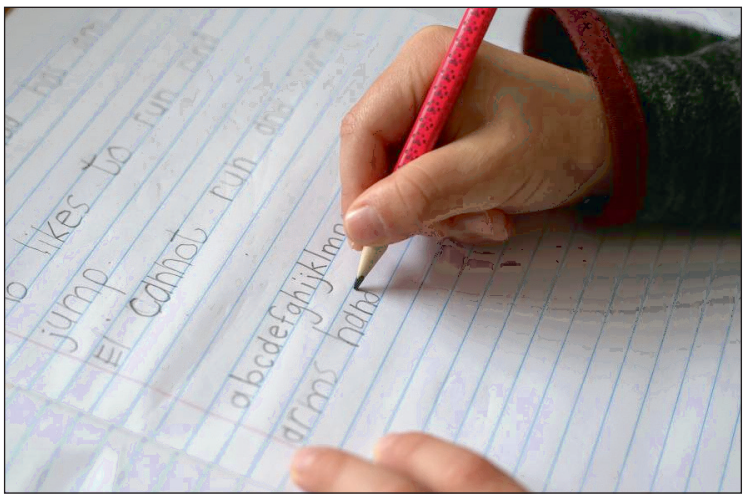

कई बार बच्चों की हैंडराइटिंग सिर्फ इसलिए बुरी दिखती है क्योंकि वे कुछ शब्दों को सही तरह से लिखना नहीं जानते हैं. ऐसे में उन शब्दों को सही तरह से लिखवाने की कोशिश करें जिनसे लिखावट बिगड़ रही है और सुंदर नहीं दिख रही. जैसे अगर बच्चा 's' या 'म' को सही से नहीं लिख रहा है तो इन शब्दों की अलग से प्रैक्टिस करवाएं. कई बार छोटे बच्चे अपनी उंगलियों से बड़ी और मोटी पेंसिल लेकर बैठ जाते हैं. ऐसे में बच्चों की उंगलियों से पेंसिल फिसलने लगती है या पकड़ ठीक से नहीं बैठती. इससे उनकी लिखावट खराब नजर आती है. इसीलिए बच्चे की सही पकड़ के अनुसार उसे पेंसिल पकड़ाएं, पेंसिल को सही तरह से शार्प करके दें और साथ में रबड़ और शार्पनर हमेशा रखें।

बच्चों को पेंसिल पकड़ाकर लिखवाना तो शुरू करा दिया जाता है लेकिन उन्हें लिखने का सही तरीका नहीं बताया जाता. कई बार बच्चे पेंसिल की ग्रिप नहीं बना पाते और उसे आड़ी-तिरछी तरह से पकड़ते हैं. कुछ बच्चे पेंसिल को पेपर पर बुरी तरह गड़ाकर लिखते हैं जिससे पेपर फटने लगता है और लिखावट बुरी नजर आती है. ऐसे में बच्चे को पेंसिल पकड़ने और हल्के हाथ से लिखने का तरीका बताया जाना चाहिए कई बार बच्चे की लिखावट बुरी नहीं होती लेकिन बिना स्पेस दिए लिखने के कारण बुरी नजर आने लगती है. बच्चे को स्पेस डालकर लिखना सिखाएं. पहले उसे खुला और बड़ा-बड़ा लिखने को कहें उसके बाद छोटा और बारीक लिखना वह खुद ही सीख जाएगा और उसकी लिखावट भी सुंदर नजर आएगी.

लिखावट की प्रैक्टिस करते रहने से कई हद तक सुधार नजर आने लगता है. इसके लिए बच्चे को राइटिंग की प्रैक्टिस करवाएं लेकिन उसे 2 से 3 पन्ने भरने के लिए ना कहें. अगर मन लगाकर वो एक पन्ना भी सही से लिखता है तो रोजाना के लिए इतना काफी होगा. उसे पेंसिल ही नहीं बल्कि मिट्टी पर डंडी से और किसी सतह पर उंगलियों से लिखने के लिए भी कहें. इस तरह बच्चा क्रिएटिव भी बनता है.

क्या आप भी टॉयलेट में चलाते हैं फ़ोन, तो हो जाएं सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : अक्सर लोग अपने स्मार्टफोन को हर जगह अपने साथ लेकर जाते हैं। फिर चाहे वो किचन हो या फिर बाथरूम। कुछ लोग एक पल के लिए भी अपना मोबाइल अपने आप से दूर नहीं रखतें। ऐसे में जब वो टॉयलेट जाते है तो मोबाइल को भी साथ ले जाते है। वहां कमोड पर बैठकर घंटों तक फ़ोन चलाते रहते है।

टॉयलेट में फोन चलाने के नुकसान

एक्सपर्ट्स की माने तो ये आपकी सेहत के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। अगर आप भी अपना मोबाइल टॉयलेट लेकर जाते है तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। इसमें हम आपको टॉयलेट में मोबाइल फोन ले जाने के साइड इफेक्ट्स बताएंगे। तो चलिए जानते है टॉयलेट में फोन ले जाने के नुकसान

टॉयलेट में मौजूद ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स

टॉयलेट में मोबाइल फोन लेकर जाना आपकी सेहत के लिए काफी नुक्सानदायक हो सकता है। टॉयलेट में ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स पाए जाते हैं। चाहे फिर वो टॉयलेट सीट हो, फ्लश का बटन हो या फिर टॉयलेट में मौजूद नल ही क्यों न हो।

इन सब में ढेर सारे बैक्टीरिया और जर्म्स पनपते है। ऐसे में टॉयलेट में जब आप फ़ोन का इस्तेमाल करते है और उसके बाद इन सभी चीज़ों को छूतें है तो ये सारे बैक्टीरिया आपके हाथ से फ़ोन पर आ जाते है। जिसके बाद वो फ़ोन से शरीर के अंदर चले जाते

है।मांसपेशियों में अकड़नजर्म्स के अलावा अगर आप घंटों तक टॉयलेट की कमोड पर बैठकर फ़ोन का इस्तेमाल करते है तो इससे आपकी मांसपेशियों में अकड़न आ जाती है। जिससे आपको घुटनों व कमर में दर्द की समस्या भी शुरू हो सकती है।

टॉयलेट में जितना कम समय, उतने स्वस्थ आप

सुबह फ्रेश होने के लिए एक एवरेज व्यक्ति को दो से पांच मिनट का समय लगता है। आयुर्वेद भी इस बात को मानता है की आपका जितना जल्दी पेट साफ़ हो उतना आपकी सेहत के लिए अच्छा होता है।लेकिन ज्यादातर लोग टॉयलेट में फ़ोन का इस्तेमाल करते है जिससे वो आधे या एक घंटा टॉयलेट में ही बिता देते है। फ़ोन चलाने की वजह से लोग ठीक से फ्रेश भी नहीं हो पाते हैं।

पाइल्स जैसी गंभीर बीमारी को न्योता

टॉयलेट में ज्यादा देर बैठे रहने से रेक्टम यानी मलाश पर असर पड़ता है। रेक्टम पर अधिक जोर पड़ने से पाइल्स या बवासीर जैसी गंभीर बीमारी उन लोगों को हो सकती है जो लोग ज्यादा देर तक टॉयलेट में समय बिताते है।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असररिसर्च के मुताबिक टॉयलेट में फोन ले जा कर घंटों समय बिताने से मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। टॉयलेट में कई लोग गहरी सोच करते है। साथ ही जिंदगी के बड़े बड़े प्लान भी सोचते है।ऐसे में जब आप पहने लेकर टॉयलेट जाते है तो आप कुछ सोच नहीं पातें। कुछ अलग सोचने की बजाएं अपना समय आप मोबाइल में बर्बाद कर देते है। ये आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में पौड़ी पुलिस नशा तस्करों पर लगातार कस रही नकेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 08 मई : मुख्यमंत्री उत्तराखंड महोदय* द्वारा वर्ष- 2025 तक उत्तराखंड को नशा मुक्ति ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय पौडी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद में नशा, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध चैकिंग अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

थाना थलीसैण पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत दौरान चेकिंग नशा तस्कर सुरेंद्र सिंह एवं विजय ससिंह को बैजरों पुलिस के पास से वाहन संख्या UK 19B 0695 (अल्टो कार) में 15 किलोग्राम अवैध गांजे का

परिवहन करते हुये गिरफ्तार किया था। उक्त मामले में नशीले पदार्थों की खरीद फरोख्त करने वाला मुख्य अभियुक्त पान सिंह लम्बे समय से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सभी संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। मु0अ0स0-18/2023, धारा-08/20/60/29 NDPS Act में फरार अभियुक्त पान सिंह को उफरैखाल से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया।

अभियुक्त का नाम पता

पान सिंह उर्फ पन्नू (उम्र-40 वर्ष) पुत्र स्व प्रेम सिंह, निवासी-ग्राम कफल गांव, पो0ओ0-उफरैखाल, थाना-थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल।

पुलिस टीम

1. उपनिरीक्षक रीना वर्मा 2. आरक्षी देवेंद्र सिंह 3. आरक्षी जसवंत सिंह

संक्षप्ति खबरें

छात्र-छात्राओं को बताया आग बुझाने के तरीके

श्रीनगर गढ़वाल। रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास में मंगलवार को अग्निशमन विभाग ने छात्र-छात्राओं को आग बुझाने के तरीके बताए। अग्निशमन विभाग से पहुंचे बीरबल सिंह ने कहा कि आग लगने पर घबराना नहीं चाहिए, बल्कि हिम्मत से काम लेकर आग से अपना व अन्य का बचाव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आग लगने पर अग्निशमन विभाग को तुरंत सूचना देनी चाहिए। इसके अलावा स्वयं भी बचाव कार्य में लग जाना चाहिए। कहा कि आग बुझाते समय मानवीय क्षति न हो, इसके लिए सावधानीपूर्वक आग पर काबू पाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर आग लगने पर सबसे पहले अगर ज्वलनशील पदार्थ है, तो उसे तुरंत आग से दूर ले जाये।

सेबों में लगने वाली एफिड बीमारी के बारे में बताया

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के जन्तु विज्ञान विभाग चौरास परिसर में सोमवार को व्याख्यानमाला आयोजित की गई। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने सेब की बागवानी और उसमें लगने वाली बिमारी के बारे में बताया गया। व्याख्यानमाला में पहुंचे आईसीएआर केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, रंगरेथ श्रीनगर जम्मू के वैज्ञानिक डॉ. मोहम्मद अबास शाह ने सेब के बगीचों में हरे सेब एफिड की घटना और प्रबंधन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कहा कि भारत सरकार ने एक परियोजना के तहत हरे सेब एफिड की घटना सेब के पेड़ में होने वाली बीमारी के अध्ययन के लिए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शोध कार्य हो रहा है। इस दौरान उन्होंने फलों को पकाने से पहले लगने वाले कीटू के उपचार की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार राणा ने बताया कि गढ़वाल विवि श्रीनगर और आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान जम्मू-कश्मीर के बीच जल्द ही एक अंब्रेला एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। इसके लिए पहले दोनों संस्थान अपने विभिन्न शोध कार्यक्रम के बारे में जानकारी साझा करेंगे। इस मौके पर डॉ. तेजपाल सिंह बिष्ट, प्रो. राजेंद्र सिंह फर्त्याल, प्रो. मंजू प्रकाश गुसाईं, प्रो. दीपक सिंह भंडारी, डॉ. गुंजन गोस्वामी, डा. आनन्द कुमार, डा. गौरव भट्ट, डा. प्रज्ञा तोपाल आदि मौजूद थे।

सीईओ ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

नई टिहरी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) उत्तराखंड डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के मतदान संपन्न होने के बाद आईटीआई भवन में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना की तैयारियों को लेकर जिले के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश भी दिये। सीईओ पुरुषोत्तम ने आईटीआई भवन नई टिहरी पहुंचकर आगंतुक लॉगबुक एवं स्ट्रांग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे एवं उनका डिस्प्ले चैक कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा वार बने स्ट्रांग रूम एवं सम्पूर्ण मतगणना परिसर एवं मतगणना केन्द्रों का जायजा लिया। मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर बैठक आयोजित की जा रही है। आयोग की गाइड लाइन के अनुसार समय-समय पर निरीक्षण किये जा रहे हैं। परिसर में विद्युत सुरक्षा के संबंध में यूपीसीएल से प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया है। इसके बाद टीएचडीसी गेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक लेते हुए सीईओ ने कहा कि मतगणना कार्य के सुचारू सम्पादन के लिए आयोग के मानकानुसार पर्याप्त संख्या में मतगणना सुपरवाइजर, गणना सहायक की नियुक्ति, प्रशिक्षण आदि समस्त व्यवस्थाएं करवा लें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना हेतु विधान सभा वार 14-14 टेबिल लगाई जाएंगी। इस मौके पर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी, एडीएम केके मिश्रा, एएसपी जेआर जोशी, एआरओ योगेश उपाध्याय, संदीप कुमार, सोनिया पंत, मंजू राजपूत, अरूण वर्मा, एडीईओ आरएस अधिकारी, सीएमओ डा मनु जैन, सीवीओ आशुतोष जोशी, डीपीआरओ एमएम खान आदि मौजूद रहे।

टिहरी जनपद में लोक अदालत 11 मई को

नई टिहरी।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 11 मई को जनपद टिहरी गढ़वाल के सभी न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगा। एडीएम केके मिश्रा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के वादों का निस्तारण किया जाएगा। इनमें फौजदारी के शमनीय मामले, धारा 138 एनआई ऐक्ट, धन वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, श्रमिक रोजगार विवाद, विद्युत एवं जल बिलों व अन्य बिलों के भुगतान, वैवाहिक व कुटुम्ब विवाद, भूमि अर्जन, वेतन, भत्तों एवं सेवानिवृत्ति के लाभों से संबंधित मामले, राजस्व वाद व अन्य दीवानी मामले सुलह-समझौते से निस्तारित किए जाएंगे। कहा कि जो भी व्यक्ति अपने मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निरस्तारित करवाना चाहते हैं, वह 10 मई तक किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रार्थना पत्र लेकर अपने मामले को नियत करवा सकते हैं।

चम्पावत : प्रधानाध्यापक दम्पति की बेटी बनी छत्तीसगढ़ में जज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत 08 मई : मानसी ने दून से लॉ की पढाई की है, उनकी इस सफलता के बाद मानसी का उत्तरांचल विश्वविद्यालय में भव्य स्वागत किया गया, वे एक राष्ट्रीय स्टार की खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। यदि आपके सपनों की उड़ान ऊँची है तो हर पल खुद को बेहतर बनाने का प्रयास कीजिए। उत्तराखंड की बेटी ने जज बनकर साबित किया है कि मेहनत, समर्पण और साहस के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता ने केवल उन्हें, बल्कि पूरे प्रदेश को गर्वान्वित किया है और उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। उत्तरांचल विश्वविद्यालय कुलाधिपति जितेंद्र जोशी ने कहा, मानसी ने उपलब्धि से विवि के साथ-साथ पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है

माता-पिता हैं प्रधानाध्यापक

मानसी मूलरूप से चंपावत जिले के लोहाघाट की रहने वाली हैं और उनके माता-पिता दोनों ही स्कूल प्रधानाध्यापक हैं, जबकि भाई मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। मानसी पढाई के साथ-साथ वॉलीबाल नेशनल प्लेयर भी रह चुकी हैं। मानसी ने राष्ट्रीय खेलों की डिस्कश थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण और भाला फेंक में रजत पदक प्राप्त किया है। इसके अलावा उन्होंने वॉलीबॉल व एथलीट में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व भी किया है। उन्होंने बताया की उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए खेलना था और उनके शिक्षकों के सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से जज का सपना भी पूरा हो गया।

सफलता की टिप्स

मानसी ने छात्रों को न्यायिक सेवा में सफलता के टिप्स देते हुए उन्होंने कहा, प्रारंभिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम से संबंधित बेयर एक्ट को बार-बार पढ़ना और वैकल्पिक प्रश्नों का अभ्यास करना आवश्यक है और कहा कि मुख्य परीक्षा के लिए लॉ के साथ-साथ भाषा, सामान्य ज्ञान व संबंधित राज्य की स्थानीय विधि की जानकारी होना भी जरूरी है।

किन लोगों में बढ़ जाता है मल्टीपल स्क्लेरोसिस होने का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : मल्टीपल स्क्लेरोसिस, ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें माइलिन शीथ जो तंत्रिकाओं की रक्षा और उन्हें अलग करती है, क्षतिग्रस्त हो जाती है। मस्तिष्क से विद्युत आवेगों को ले जाने वाले तंत्रिका तंतु भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इस न्यूरोलॉजिकल डिसफंक्शन रोग की शुरुआती में चीजें मैनेज हो जाती हैं, लेकिन समय के साथ, नुकसान और भी बदतर हो सकता है , 2023 तक लगभग 2.9 मिलियन लोग इस स्थिति से पीड़ित हैं। विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस एक वार्षिक, ग्लोबल इवेंट है, जो इस स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 30 मई को मनाया जाता है। तो आइए जानें कि किन लोगों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है।

परिवार में इस रोग का इतिहास होने के साथ कुछ बाहरी कारणों से भी प्रभावित हो सकती है। आमतौर पर रोगी के परिवार में इस स्थिति का इतिहास देखा जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इस बीमारी को ज्यादा देखा जाता है। अन्य कारक जो स्थिति का कारण बन सकते हैं, उनमें एपस्टीन-बार वायरस (Epstein-Barr virus (EBV)) से होने वाला वायरल संक्रमण, सन लाइट कम मिला, विटामिन-डी की कमी और स्मोकिंग शामिल हैं।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस आमतौर पर 20 से 40 की उम्र के लोगों को होता है, जिसमें लक्षण किशोरावस्था के आसपास दिखाई देने लगते हैं। इसके आम लक्षणों में:थकावट ,सुन्न होना और झुनझुनी आना , मांसपेशियों की ऐंठन ,अकड़न ,दर्द ,हिलने और संतुलन बनाए रखने में दिक्कत आना संज्ञानात्मक समस्याएं ,बोलने में दिक्कत आना ,ब्लैडर और आंतों से जुड़ी दिक्कतें ,यौन समस्याएं ,धुंधला दिखना ,निगलने में कठिनाई, एंग्जाइटी और डिप्रेशन मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पूरी तरह बचाव मुमकिन नहीं है, हालांकि, खाने या फिर सप्लीमेंट की मदद से विटामिन-डी की कमी को पूरा करना, स्मोकिंग से बचना और नींद पूरी लेने से एमएस का जोखिम कम हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लिए इस वक्त जो उपचार उपलब्ध हैं, इसमें स्टेरॉयड, न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के लिए थेरेपी, फिजियोथेरेपी के अलावा बोलने और भाषा की थेरेपी शामिल हो सकती है।

केदारनाथ के लिए 10 से होंगी हेली की कॉर्मसिएल उड़ाने

रुद्रप्रयाग।केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने की तैयारी शुरू हो गई है। आगामी 10 मई को केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसी दिन से केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए आज बुधवार तक सभी हेली कंपनियों के केदारघाटी अपने हेलीपैडों पर पहुंचने की संभावना है।

बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह डोली फाटा पहुंची

रुद्रप्रयाग।भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली मंगलवार देर शाम फाटा पहुंची। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने डोली का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। जगह जगह भक्तों द्वारा बम बम भोले के जयकारों के साथ डोली का भव्य स्वागत किया जा रहा है। बुधवार को डोली रात्रि विश्राम के लिए गौरीकुंड पहुंचेगी।विश्व प्रसिद्ध भगवान केदारनाथ धाम की यात्रा 10 मई से शुरू होगी। यात्रा को लेकर केदारघाटी ही नहीं बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं में उत्साह है। मंगलवार को बाबा केदार की डोली पूजा-अर्चना के बाद सुबह गुप्तकाशी से फाटा के लिए रवाना हुई। देश के विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालुओं के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों के साथ डोली देर शाम फाटा पहुंची। यहां पहले से ही मौजूद लोगों द्वारा बाबा की डोली का जोरदार स्वागत किया। बाबा की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली का नाला, नारायणकोटि, मस्ता, खुमेरा, व्यूंग आदि स्थानों सड़कों में खड़े भक्तों के साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा भी पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया और क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। सेना की 6 ग्रेनेडियर रेजिमेंट के बैंड की मधुर धुनों के बीच डोली फाटा पहुंची। यहां पूजा-अर्चना के बाद डोली को विश्राम के लिए रखा गया। बुधवार 8 मई को डोली रात्रि विश्राम को गौरीकुंड पहुंचेगी, जबकि गुरुवार 9 मई को डोली गौरीकुंड से प्रस्थान कर शाम को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। जहां 10 मई को विधि विधान और परम्परानुसार सुबह 7 बजे भगवान केदारनाथ धाम के कपाट देश-विदेश के तीर्थयात्रियों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इधर, डोली आगमन पर फाटा में पंच केदार सेवा सांस्कृतिक मंच द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जबकि होटल एसोसिएशन द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

देवाल में ट्रक खाई में गिरा चालक घायल

चमोली। सोमवार देर रात को देवाल से हल्द्वानी को जा रहा ट्रक देवाल से आधा किमी आगे मालगाड गधेरे में अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। हादसे में चालक को चोट आई है। चालक को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवाल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर कर्णप्रयाग रेफर किया गया है। सोमवार रात 10 बजे एक ट्रक देवाल से हल्द्वानी के लिए रवाना हुआ। देवाल से आगे मालगाड गधेरे में अनियंत्रित होकर 100 फीट नीचे खाई में गिर गया। ट्रक चालक 25 वर्षीय मयंक ग्राम टुकेर जिला बोगेश्वर को चोट आई है।

संक्षप्ति खबरें

एनीमिया मुक्ति को 10 मई से विशेष अभियान

नई टिहरी।टिहरी जिले को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग 10 मई से विशेष अभियान शुरू कर रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए 366 स्वास्थ्य कर्मियों की टीम बनाई गई है। जो गांव-गांव जाकर 10 से अधिक उम्र की किशोरियों और 49 साल तक की महिलाओं की खून की जांच कर मौके पर ही आयरन सुक्रोज की डोज देगी। सीएमओ डा. मनु जैन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि डीएम मयूर दीक्षित की पहल पर जिले की बालिकाओं और महिलाओं को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए 10 से 20 मई तक जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान 85,197 बालिकाओं और महिलाओं को आयरन सुक्रोज की डोज दी जाएगी। जरूरत पड़ी तो कुछ किशोरियों और महिलाओं को एनीमिया मुक्त करने के लिए खून भी चढ़ाया जाएगा।

युद्धाज और स्पीकर्स टीम विजेता रही

नई टिहरी।टीएचडीसी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज भागीरथीपुरम में विगत दिवस आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में टीम युद्धाज और बालिका वर्ग में टीम स्पीकर्स विजेता बनी। कॉलेज प्रबंधन की ओर से विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र दिए गए। विगत दिवस भागीरथीपुरम में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का संस्थान के निदेशक डा. शरद कुमार प्रधान ने बॉल उछालकर उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन का उद्देश्य अनुशासन, खेल भावना को बढ़ाना और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को खत्म कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कहा कि युवाओं को संस्थान से लेकर अन्य स्तरों पर होने वाली खेल और वाद-विवाद प्रतियोगिता में शिरकत करनी चाहिए। इससे छात्रों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। संस्थान के खेल संयोजक अतुलेश डबराल ने बताया कि प्रतियोगिता के बालक वर्ग में टीम युद्धाज ने फालेन क्राउन को 25-18 से, जबकि बालिका वर्ग में टीम स्पीकर्स ने टीम ट्वीस्टर को 21-18 से हराकर खिताब जीता।

एसआरटी परिसर की नेहा व काजल बनी जज, परिसर में खुशी

नई टिहरी।टिहरी में एलएलएम की नेहा और काजल ने उत्तराखंड लोकसेवा आयोग की परीक्षा पास कर जज बनने में सफलता पाई है। जिससे परिसर में खुशी का माहौल है। मंगलवार को छात्राओं की सफलता पर परिसर निदेशक प्रो एए बोड़ाई, पूर्व निदेशक प्रो डीएस केनतुरा ने इन बधाई देते हुए कहा है कि छात्राओं ने जहां परिसर में रहकर तैयारी कर जिस तरह से जज बनने में सफलता हासिल की है। परिसर के लिए गौरव की बात है। ऋषिकेश की रहने वाली नेहा और लक्सर हरिद्वार की रहने वाली काजल गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर टिहरी बादशाही थौल में एलएलएम कर रही है।

केदारनाथ यात्रा के लिए कलक्ट्रेट में खुला कंट्रोल रूम

रुद्रप्रयाग।केदारनाथ यात्रा को सुगम एवं सफलतापूर्वक संचालित कराने के लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार द्वारा कलक्ट्रेट में यात्रा कंट्रोल रूम खोला गया है। जिसमें यात्री अपनी समस्याओं के साथ ही सुझाव दर्ज करा सकेंगे। यहां जिलाधिकारी स्वयं निगरानी और मॉनीटरिंग कर बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास करेंगे। केदारनाथ यात्रा में हर तीर्थयात्री को बेहतर व्यवस्थाएं मिले और यहां चाक-चौबंद व्यवस्थाएं हो, इसके लिए जिलाधिकारी द्वारा कलक्ट्रेट में यात्रा कंट्रोल रूम खोल दिया गया है। यात्रा व्यवस्थाओं एवं सुझावों के लिए 9870963731, 01364-297878 एवं 01364-297879 हेल्पलाइन नंबर पर तीर्थयात्री अपनी समस्याएं एवं सुझाव दर्ज करा सकते है। केदारनाथ यात्रा के दौरान हेली सेवाओं से संबंधित या अन्य अन्य सुविधा एवं समस्याओं के निदान के लिए एक विशेष कंट्रोल रूम शुरू किया गया है। हेली सेवाओं संबंधित शिकायतों का तत्काल समाधान करने के साथ ही, स्वास्थ्य, बिजली-पानी आपूर्ति, शौचालय सहित अन्य सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें, सुझाव एवं परेशानियां बताई जा सकेंगी। समाधान के लिए भी यह हेल्पलाइन नंबर ऐक्टिव रहेगा। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में जिला कार्यालय रुद्रप्रयाग में यात्रा कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसके सफल संचालन के लिए नोडल अधिकारी ई-डिसट्रिक्ट मैनेजर अमित रावत को नामित किया गया है। ई-डिसट्रिक्ट मैनेजर अमित रावत ने बताया कि यह कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे एक्टिव रहेगा।

वो 'शापित' मोबाइल नंबर, जिसने ले ली थी 3 लोगों की जान, कंपनी को करना पड़ा था बैन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : मोबाइल का इस्तेमाल आजकल आम बात हो गई है. इसके बिना लोगों का काम ही नहीं चल पाता और ये तो आप जानते ही होंगे कि बिना सिम के मोबाइल फोन रखने का कोई मतलब ही नहीं होता. आपने देखा होगा कि अक्सर लोग यूनिक मोबाइल नंबर पाने की कोशिश करते हैं और इसके लिए वो एक्स्ट्रा पैसे भी खर्च करने को तैयार रहते हैं, लेकिन जरा सोचिए कि अगर वो यूनिक मोबाइल नंबर ही आपकी जान का दुश्मन बन जाए तो? जी हां, ऐसा ही एक मोबाइल नंबर बुल्गारिया में है, जिसे शापित माना जाता है. कहते हैं कि इस मोबाइल नंबर ने तीन लोगों की जान ले ली थी, जिसके बाद इसे बैन कर दिया गया था।

बुल्गारिया का ये शापित मोबाइल नंबर है +359 888 888 888. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नंबर की वजह से जिस पहले इंसान की मौत हुई थी, वो बुल्गारिया की एक मोबाइल फोन कंपनी मोबिटेल के पूर्व सीईओ यानी मुख्य कार्यकारी अधिकारी व्लादिमीर ग्राशनोव थे. सबसे पहले उन्हें ही ये मोबाइल नंबर इश्यू किया गया था, जिनकी साल 2001 में 48 साल की उम्र में मौत हो गई थी. कहा जाता है कि उनकी मौत कैंसर से हुई थी, पर उनके बारे में फैली अफवाहें कहती हैं कि उनके कैंसर का कारण रेडियोएक्टिव पॉइजनिंग थी.एक रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिमीर ग्राशनोव की मौत के बाद इस मोबाइल नंबर को कॉन्स्टेंटिन दिमित्रोव के नाम पर इश्यू कर दिया गया, जो कि एक माफिया बॉस था. उसने गलत-गलत काम करके 500 मिलियन पाउंड यानी 5 हजार करोड़ से भी अधिक की संपत्ति जुटा ली थी, लेकिन बाद में उसका भी खात्मा हो गया. साल 2003 की बात है. दिमित्रोव नीदरलैंड में अपने ड्रग-तस्करी साम्राज्य का निरीक्षण करने के लिए गया हुआ था कि इसी दौरान एक अपराधी ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी.

कहते हैं कि जिस समय इस माफिया सरगना की हत्या हुई, उसके हाथ में उसका मोबाइल था और उसमें वही 'शापित' नंबर एक्टिव था. उसकी मौत के बाद इस फोन नंबर को बिजनेसमैन और एस्टेट एजेंट कॉन्स्टेंटिन डिशलीव को दे दिया गया, लेकिन साल 2005 में उसकी भी गोली मारकर हत्या कर दी गई. कॉन्स्टेंटिन के बारे में भी कहा जाता है कि वह भी एक ड्रग तस्कर था और इसी वजह से वो भी मारा गया था. ऐसा माना जाता है कि इस घटना के बाद ही इस मोबाइल नंबर को परमानेंट्ली बंद कर दिया गया, क्योंकि उसके बाद जब भी इस नंबर पर कॉल किया जाता, तो एक रिकॉर्डेड संदेश मिलता कि 'नंबर नेटवर्क कवरेज से बाहर' है.

सावधान : कही आपकी आवाज चुराकर कोई आपको चूना न लगा दे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : सोशल साइट्स पर अगर वीडियो डालने का शौक है तो ये खबर पढ़ लें, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चुरा लेगा आपकी आवाज जी हाँ , सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करना अब खतरे से खाली नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डीफेक तकनीक के जरिए चुराई जा रही हैं आवाज। आपकी या आपके रिश्तेदारों की आवाज कॉपी करके कोई भी लगा सकता है आपको चूना। कैसे हो रही है ये धोखाधड़ी चलिए जानते हैं।

फेसबुक पर संभलकर डाले अपने वीडियो

सोशल साइट्स का क्रेज लगातार लोगों में बढ़ता ही जा रहा है। फोटो के साथ-साथ वीडियो अपलोड करने का शौक लोगों में काफी तेजी से बढ़ा है। कोई रील्स बनाकर डालता है, कोई अपने बच्चे का वीडियो डालता है, कोई अपने माता-पिता का। गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड, पति - पत्नी अपने खुशगवार पलों को सोशल साइट्स पर शेयर करते रहते हैं, लेकिन अब ये बेहद खतरनाक बनता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए चुराई जा रही हैं आवाज।

आपकी आवाज चुराकर कोई आपको चूना न लगा दे

सबसे पहले कनाडा के इस को समझिए जहां आर्टफिशियल इंटेलिजेंसी की मदद से आवाज चुराकर एक बुजुर्ग दंपत्ति को चूना लगा दिया गया। बुजुर्ग दंपत्ति के पास एक फोन आया। फोन पर जो आवाज थी वो उनके पोते ब्रैंडन पार्किंग की थी जो दूसरे शहर में रहता था। ब्रेंडन ने अपने दादा-दादी से बात की और कहा कि मैं मुश्किल में हूं। मैं जेल में बंद हूं और मुझे बाहर निकलने के लिए पैसे चाहिए। उसने बताया कि वो अपने वकील के नंबर से फोन कर रहा है। इसके बाद उसके वकील ने भी बात की और कहा कि आप 18 लाख रुपये ट्रांसफर कर दीजिए।

बुजुर्ग दंपत्ति को लगा 18 लाख का चूना

बुजुर्ग दंपत्ति अपने पोते की आवाज सुनकर परेशान हो गए। उन्हें ये समझ आ चुका था कि ये आवाज उनके पोते की है और वो किसी भी कीमत पर उसकी मदद करना चाहते थे। उन्होंने बैंक जाकर 3000 कैनेडियन डॉलर यानी 18 लाख रुपये निकाले और बेटिकन के जरिए उस वकील को ट्रांसफर कर दिए, लेकिन अब आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि जो फोन उनके पोते ने किया था दरअसल वो उनका पोता नहीं बल्कि उसकी चुराई हुई आवाज थी।

डीफेक तकनीक से बुना जा रहा है जाल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक तरह से बनावटी तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता है। इसमें एक डीपफेक तकनीक होती है। इस तकनीक की मदद से ही किसी की भी आवाज, फोटो या वीडियो का सैंपल लेकर उसकी क्लोनिंग कर दी जाती है। इस तकनीक से तैयार ये ऑडियो-वीडियो इतने रियल होते हैं कि खुद आप अपनी आवाज सुनकर भ्रम में पड़ जाएंगे। देशभर में इस तरह की ठगी के कई केस दर्ज हो चुके हैं। पहले ये सिर्फ बाहरी देशों में ही हो रहा था, लेकिन अब यहां भी इस तरह के फ्रॉड काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। इसलिए जब भी आप फेसबुक या किसी और साइट्स पर अपने वीडियो डाल रहे हैं तो सावधान रहें।

फिटनेस के मामले में लड़कियों को मात देती हैं 67 साल की दादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 मई : आज के जमाने में हर कोई फिट रहने की कोशिश करता है, हालांकि समय न होने की वजह से लोग अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पाते हैं. कई लोग इस भागदौड़ भरी जिंदगी से समय निकालकर एक्सरसाइज करने की कोशिश भी करते हैं. हालांकि, समय की कमी की वजह से वह ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं. इसके उलट इन दिनों एक 67 साल की बुजुर्ग महिला अपने फिटनेस को लेकर दुनियाभर में सुर्खियां बटोर रही हैं।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 67 साल की यह महिला अपनी फिटनेस के मामले में 20 साल की लड़कियों को भी मात देती है. बुजुर्ग महिला अधेड़ होने के बावजूद इतनी अधिक फिट हैं कि कम उम्र की युवतियां भी उन्हें देखकर शरमा जाएं. इस महिला का नाम शैरन गार्नर है. महिला इंग्लैंड के कॉर्नवॉल में रहती हैं.

67 साल की उम्र में गजब की फिटनेस देखकर लोग उन्हें सुपर-ग्रैनी कहकर बुलाते हैं.आपको जानकर हैरानी होगी कि इस उम्र में महिला गठिया रोग से भी पीड़ित हैं. इसके

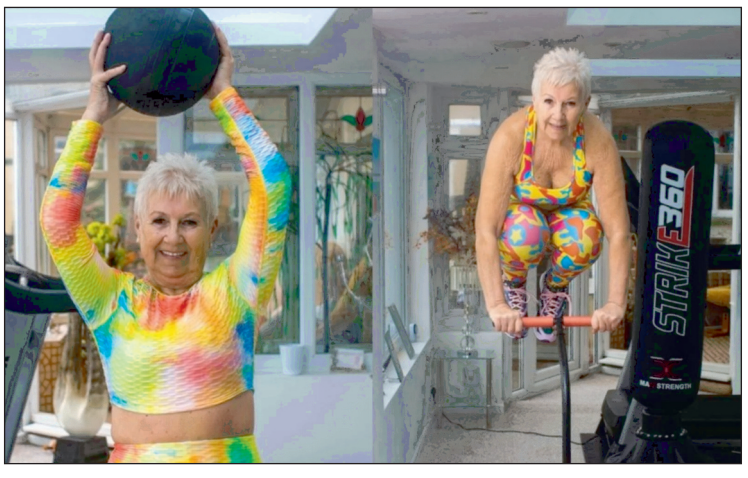

बाद भी वह कभी गठिया को अपनी कमजोरी नहीं बनातीं. इतनी अधिक उम्र की होने के बावजूद वह हर रोज जिम जाती हैं और अपनी फिटनेस का बहुत ध्यान रखती हैं. वह जिम आने वाली अपने से कम उम्र की लड़कियों से अधिक वजन उठाती हैं और कठिन से कठिन एक्सरसाइज भी बड़ी आसानी से कर लेती हैं.

शैरन कहती हैं कि अनफिट लोगों को उनसे सीख लेनी चाहिए. गठिया होने के बाद भी वह बहाने नहीं बनाती हैं और कड़ी मेहनत करती हैं. शैरन कहती हैं कि अगर वह 67 साल की उम्र में यह सब कर सकती हैं तो कम उम्र के लोग भी ऐसा कर सकते हैं. बता दें कि शैरन के 8 नाती-पोते हैं. वह लगातार किक बॉक्सिंग, स्विमिंग और रनिंग करती हैं. शैरन पिछले साल 2 हाफ मैराथन में भी दौड़ी थीं. आपको जानकर हैरानी होगी कि जिम में वह लड़कों को भी जोरदार टक्कर देती हैं.

डीएम ने चारधाम यात्रा तैयारियों का लिया जायजा

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ चमोली से बदरीनाथ तक राष्ट्रीय राजमार्ग और धाम में यात्रा व्यवस्थाओं एवं पुनर्निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने और धाम में निर्माण कार्यों को व्यवस्थित तरीके से तेजी से पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुलेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। बदरीनाथ धाम और यात्रा मार्ग पर शुद्ध पेयजल, शौचालय, वाहन पार्किंग सहित सुगम आवागमन हेतु सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद किया जाए। ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान के अनुसार वाहनों का मूवमेंट रखे। बदरीनाथ तथा चारधाम यात्रा मार्ग पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी पुख्ता इंतेजाम किए जाए। सभी प्रमुख मार्गो पर प्रकाश व्यवस्था, बैठने के लिए बैंच, वाटर एटीएम और यात्री सुविधा के लिए साइनेज लगाए जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि धाम में स्थापित अस्पताल में चिकित्सकों की तैनाती के साथ सभी जीवन रक्षक दवा, उपकरण एवं ऑक्सीजन का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने बदरीनाथ धाम में वाहन पार्किंग, आस्था पथ, टोकन काउंटर, क्यू प्रबंधन, यात्री शेड, गेस्ट हाउस, मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए शीघ्र सभी तैयारियों को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बदरीनाथ महायोजना के अंतर्गत संचालित कार्यों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया धाम में निर्माण सामग्री एवं मशीनरी को यात्रा मार्ग से अलग व्यवस्थित तरीके से रखा जाए। ताकि तीर्थयात्रियों को आवागमन और निर्माण कार्यो में भी कोई समस्या न रहे। निर्माण कार्यो में तेजी लाते हुए समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। इस दौरान अधिशासी अभियंता विपुल सैनी ने संचालित कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम चन्द्र शेखर वशिष्ट, लोनिवि के मुख्य अभियंता राजेश शर्मा, सीएमओ डा.राजीव शर्मा, सीओ पुलिस अमित कुमार, डीएसओ जसवंत कंडारी, डीटीडीओ बृजेन्द्र पांडेय, पीआईयू के अधिशासी अभियंता विपुल सैनी, सहायक अभियंता सनी पालीवाल, तहसीलदार अर्जुन सिंह बिष्ट, ईओ सुनील पुरोहित सहित यात्रा व्यवस्थाओं से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मक्कूमठ से तुंगनाथ रवाना हुई भगवान तुंगनाथ की डोली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग।पंचकेदारों में तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली तुंगनाथ के लिए रवाना हो गई है। पहले दिन डोली गांव के पास भूतनाथ मंदिर में विश्राम के लिए पहुंची। यहां भक्तों के जयकारों के साथ क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया। 10 मई को तुंगनाथ के कपाट विधि विधान के साथ भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। मंगलवार को सुबह आठ बजे मठापति राम प्रसाद मैठाणी की अगुवाई में वेदपाठी व तीर्थ पुरोहितों ने शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ में भगवान तुंगनाथ की भोग मूर्तियों की विशेष पूजा अर्चना कर महाभिषेक किया। जिसके बाद शीतकालीन गर्भ गृह से भगवान तुंगनाथ की मूर्तियों को बहार लाया गया। उन्हें चल विग्रह उत्सव डोली में विराजमान कर श्रृंगार किया गया। मक्कूमठ के स्थानीय ग्रामीणों ने भगवान तुंगनाथ को चावल, पूरी, पकोड़ी का अर्ग लगाया। सुबह 10 बजे भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली ने मक्कूमठ मार्केंडेय मंदिर की तीन परिक्रमा करने के बाद तुंगनाथ के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली ने नृत्य कर भक्तों को दर्शन एवं आशीर्वाद भी दिया। स्थानीय वाद्य यंत्रों एवं भक्तों के जयकारों से क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। गुरुवार को डोली भूतनाथ मन्दिर से रवाना होकर रात्रि प्रवास के लिए चोपता पहुंचेगी। 10 मई को तृतीय केदार की डोली चोपता से प्रस्थान कर अपने धाम पहुंचेगी। इसी दिन दोपहर 12 बजे भगवान तुंगनाथ के कपाट पौराणिक विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। ग्रीष्मकाल के छह माह तक भगवान की पूजा-अर्चना तुंगनाथ में ही होगी। इस मौके पर डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित, मंदिर समिति के प्रबंधक बलवीर नेगी, चन्द्रमोहन बजवाल, दिलवर सिंह, दिग्विजय सिंह, दुर्गश सिंह, आनंद सिंह, प्रकाश मैठाणी, हरि बल्लभ मैठाणी, विजय भारत, रविन्द्र मैठाणी, प्रधान विजयपाल नेगी, क्षेपं सदस्य जयवीर सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन का आधार

पौड़ी। ऐकेश्वर ब्लाक के राइंका रीठाखाल और प्राथमिक विद्यालय रीठाखाल में मंगलवार को स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। हील फाउंडेशन, ईड़ा मल्ला ऐकेश्वर और भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए संतुलित आहार के विषय में विस्तार से जानकारियां दी। मुख्य वक्ता डॉ. अजय कुमार ने फास्ट फूड जैसे चिप्स आदि के पैकेट्स पर बारीक शब्दों में लिखी जानकारियों को साझा करते हुए इसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला।

संपादकीय

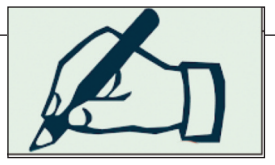

इस भंवर के किनारे नहीं

कांग्रेस ने भले ही बागी विधायकों से निजात पा ली, लेकिन टिकटों के आबंटन में चुनावी अभियान रूठ कर बैठा रहा। लंबे अंतराल के बाद पहले तीन टिकटें और अब दो और चेहरे मिल गए, लेकिन धर्मशाला में पार्टी के भंवर अभी किनारे तक नहीं पहुंचे। पहली खेप के दो यात्री भाजपा के डिब्बे से उतरे थे, लेकिन उसके बाद अब तक घोषित पांच उम्मीदवारों में से तीन पर नया सिक्का उछाला जा रहा है। लाहुल स्पीति से अनुराधा राणा के सामने कल के कांग्रेसी और अब के भाजपाई रवि ठाकुर होंगे। ऐसे में बगावत का तीर चला चुके डा. रामलाल मार्कंडेय के पास ऐसे अस्त्र-शस्त्र रहेंगे जो किसी भी उम्मीदवार का तीया पांचा कर सकते हैं। वास्तव में अब ट्राइबल चुनाव हिमाचल की मुख्य धारा से अलग परिकल्पना का परिमार्जन है, यानी कौन किसके बगल में छुरी लेकर खड़ा है, यह अनुमान टेढ़ी खीर है। बड़सर का कांग्रेसी उधार अब एक नए चेहरे यानी सुभाष चंद को मिला है। यहां पार्टी की विरासत का वोट छीनकर इंद्रदत लखनपाल पहले ही अपनी बिसात बिछा चुके हैं, तो अब तसल्ली से चुने गए कांग्रेसी उम्मीदवार सुभाष चंद की ताजगी से अपने पुराने पेंच लड़ाएंगे। बहरहाल, कांग्रेस की करवटों में समय की सूइयां, चुनाव की पाबंदियां, सरकार की बुलंदियां और सबके सामने अपने ही रक्तचाप की हदबंदी है। प्रचार की सीमा रेखा को परास्त करती जुबानी जंग का प्रदर्शन अब होने लगा है, जबकि सियासत की भूमि पर चुनाव के पलड़े टूटे पड़े हैं। यह दीगर है कि कांग्रेस की रणनीति में नई आस्था, विश्वास और राष्ट्रीय प्रचार के झोंके प्रफुल्लित कर रहे हैं, लेकिन धर्मशाला के आंगन में विश्राम कर रही पार्टी को तैयार होने में देरी लग रही है। इसके अर्थों में पार्टी की असहजता व असमर्थता नहीं, बल्कि बागी हुए सुधीर शर्मा को पूरी तरह पस्त करने की किंकत्तव्यविमूढ़ता कहीं अधिक दबाव डाल रही है। जाहिर है इससे चार बार विधायक रहे सुधीर शर्मा का प्रभाव और गहरा व उनके प्रचार की सामग्री और विद्रोही हो जाएगी। विधायकों का बागीपन और उपचुनावों के विद्रोही तेवर बता रहे हैं कि कांग्रेस के आमने-सामने अपना ही परिवार का कोई न कोई हिस्सा टूट कर बिखरेगा। यह दांव बड़ा है और नुकसान भी कम नहीं होगा। जैसे कि मुख्यमंत्री का अभियान लक्ष्य लेकर चला है, कांग्रेस के अपने पहाड़, अपनी घाटियां और अपनी मंजिलें तय हैं। अपने विधायकों के जरिए जमीन जोतने की तैयारी हो, विपक्ष से छीनकर नेता बदलने की बारी हो, नए चेहरों पर दांव भारी हो या आलाकमान के लिए आनंद शर्मा जैसा दिग्गज उतारने की सूची जारी हो, कांग्रेस भाजपा के लिए राहें मुश्किल बना सकती है। ये चुनाव कांग्रेस के महल की खिड़कियों के लिए हो रहे हैं और एक मुख्यमंत्री के कार्यकाल के लिए बार-बार याद किए जाएंगे। यह राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा की पटकथा पर लिखे हुए चुनाव हैं, इसलिए समीक्षाओं के हर पड़ाव पर काल, कत्तव्य और कर्मठता का वर्णन हो रहा है। कर्मठता थी, इसलिए बगावत के बावजूद कांग्रेस की सत्ता आबाद है। लोकतांत्रिक कत्तव्य की ढाल पर मुख्यमंत्री ने विद्रोह की लहरों से बारूद को अलग किया है। चुनावी काल में नेताओं का दलबदल, नए नेताओं का आगमन और दिग्गजों की प्रतिष्ठा का सवाल अगर छह उपचुनाव हैं, तो कांगड़ा में आनंद शर्मा, मंडी में विक्रमादित्य सिंह, कंगना व जयराम ठाकुर के लिए यह अपने-अपने प्रभुत्व की पहचान हैं। ये चुनाव कांग्रेस बनाम भाजपा तब तक थे, जब तक प्रत्याशी चुनने के रहस्य में पार्टियों का मंथन चरागाह बना हुआ था, लेकिन अब इस बारात में घोड़े भी होंगे, लेकिन कुछ भगौड़े जमीन पर होंगे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

ट्रेजरी से भुगतान होते ही राजकीयकरण का लाभ

पेयजल के सभी कर्मचारी पेयजल को राजकीय विभाग बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। कर्मचारी संयुक्त मोर्चा से जुड़े डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ अध्यक्ष रामकुमार और महासचिव अजय बेलवाल ने कहा कि ट्रेजरी से वेतन, पेंशन का भुगतान होते ही राजकीयकरण दिशा में एक बड़ी कामयाबी मिलेगी। फिर वेतन, पेंशन को लेकर पेयजल एजेंसियों को शासन के चक्कर नहीं काटने होंगे। कर्मचारियों को सीधे लाभ मिलेगा।

नैनीताल में बिजली कटौती से लोग परेशान

नैनीताल।गर्मियों में बिजली कटौती लोगों की परेशानी का कारण बन रही है। क्षेत्र के लोग बिजली कटौती से परेशान हैं। लगभग दो दिनों से रोजाना दिन में चार घंटे तक कटौती की जा रही है। सुबह दस बजे के बाद शाम दो बजे तक बिजली गुल रह रही है। जिसके कारण स्थानीय लोगों व व्यापारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऊर्जा निगम के एसडीओ प्रियंक पांडे का कहना है कि विभाग की ओर से बिजली कटौती नहीं की जा रही है। जिन क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति सही से नहीं हो रही है वहां जाकर बिजली की लाइनों की जांच की जाएगी।

दिन में सड़क का काम करने पर प्रधान ने जताई नाराजगी

नैनीताल।घोड़ाखाल भवाली सड़क का काम दोपहर में करने पर ग्राम प्रधान गणेश जोशी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इन दिनों पर्यटक सीजन चल रहा है। विभाग को दोपहर में सड़क का काम करने का ख्याल आया है। जिससे दिन भर लंबा जाम लग रहा है। उन्होंने कहा कि कारोबारी पर्यटन सीजन पर निर्भर रहते हैं। गोल्ज्यू मन्दिर घोड़ाखाल आने वाले पर्यटक भी जाम से परेशान हैं। कहा कि ग्रामीणों के साथ मिल्क जल्द संबंधित विभाग को दिन में काम नही करने को ज्ञापन सौपा जाएगा।

तपती गर्मी में जानवर भी परेशान

रुड़की। तपती गर्मी में ग्रामीण क्षेत्र में भी लोग केवल जरूरी काम से ही घर से निकल रहे हैं। कृषि और पशुपालन पर भी गर्मी का असर पड़ रहा है। किसान भी अपना कृषि कार्य सुबह जल्दी धूप तेज होने से पहले-पहले ही निपटा रहे हैं। किसान विजयजाल सिंह ने बताया कि इस समय गन्ना आदि फसलों में निराई-गुड़ाई, सिंचाई और चारा फसल का बुवाई का कार्य चल रहा है।

संक्षप्ति खबरें

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

पौड़ी। थाना थलीसैंण पुलिस ने मंगलवार को भंडेली तिराहा यात्री शेड के पास चेकिंग के दौरान एक आरोपी को 14 अंग्रेजी शराब की बोतल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मंगलवार को चेकिंग के दौरान थलीसैंण पुलिस ने आरोपी सुनील को 14 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ भंडेली तिराहा यात्री शेड के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम में कांस्टेबल जसवंत सिंह, परीक्षित शामिल रहे।

खैरालिंग कौथिग मेले की तैयारियां तेज

पौड़ी। कल्जीखाल ब्लाक की असवालस्यूं पटटी में होने वाले ऐतिहासिक खैरालिंग कौथिग की तैयारियां तेज हो गई है। इस बार यह कौथिग 6 व 7 जून को आयोजित किया जाएगा। इस मेले को मुण्डनेश्वर मेले के नाम से भी प्रसिद्धि मिली है। मेले में स्थानीय ग्रामीणों के साथ ही बड़ी संख्या में प्रवासी ग्रामीण भी पहुंचते है। मेले में सात्विक रूप से क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा मंदिर में ध्वजा चढ़ाई जाती है। जय खैरालिंग महादेव मंदिर समिति के सचिव विवेक नेगी ने बताया कि दो दिवसीय मेले को लेकर 12 मई को ग्रामीणों की बैठक का आयोजन किया जाएगा।

ब्लाक में कार्यकारिणी का होगा गठन

पौड़ी। ठाकुर सुंदर सिंह चौहान वृद्धाश्रम मलेठी में मंगलवार को बंधुवर सेवा समिति की बैठक में गरीब कन्याओं के विवाह को लेकर रणनीति बनाई गई। निर्णय लिया गया कि जिले के हर ब्लाक में पत्रक वितरण की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। साथ ही कार्यकारिणी में ब्लाक स्तर पर दो महिलाओं को उपस्थिति रखने का भी प्रस्ताव रखा गया। बैठक में समिति की अध्यक्ष माया देवी, संरक्षक सुंदर सिंह चौहान, पुष्पेंद्र राणा, रणवीर सिंह, रणधीर सिंह, विक्रम रावत, राजकमल, विपुल रावत, विनोद चौहान मौजूद रहे।

बच्चों को कंबल और आर्थिक सहायता दी

पौड़ी। जिला मुख्यालय के पास के जंगलों में लगी आग से खेल विभाग के हॉस्टल का एक कमरा आग की चपेट में आ गया। जिससे कमरे में रखी बच्चों की स्पोर्ट्स सामग्री और जरूरी दस्तावेज जल गए थे। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी पौड़ी के सहयोग से डीएम ने सोमवार देर शाम बच्चों को आर्थिक सहायता और कंबल वितरित किए। बीते रविवार को मुख्यालय स्थित टेका जंगल में लगी आग खेल विभाग के हॉस्टल तक पहुंच गई थी। जिससे यहां एक कमरे में रखा बच्चों का सामान जलकर राख हो गया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा बच्चों को चार कंबल और अन्य जरूरी सामग्री के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। डीएम डा.आशीष चौहान ने रेडक्रॉस सोसायटी का उनकी मानवीय सेवा के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि जिला प्रशासन की ओर से भी बच्चों को खेल सामग्री सहित अन्य सहायता प्रदान दी जाएगी। कहा कि खेल अधिकारी मामले की रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए है। खेल के सामान की जो भी क्षति पहुंची है, उसकी पूरी भरपाई की जाएगी। इस मौके पर प्रभारी खेल अधिकारी संदीप डुकलान, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव केसर सिंह असवाल आदि शामिल रहे।

अस्पतालों में होगी पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था

देहरादून।उत्तराखंड के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था होगी। सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने मंगलवार को अधिकारियों को इसके निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में गर्मी बढ़ने के साथ ही हीट वेव का खतरा बना हुआ है। इस वजह से बड़ी संख्या में मरीजों के अस्पताल पहुंचने की आशंका है। ऐसे में सभी अस्पतालों को दवाई व इलाज की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही मरीजों के लिए पीने के साफ पानी की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि गर्मियों में हाइड्रेड रहने के लिए साफ पानी की जरूरत होती है। ऐसे में सभी अस्पतालों में मरीजों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही राज्य के सभी अस्पतालों के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग के उपाय करने के भी निर्देश दिए गए हैं। सभी सरकारी अस्पतालों में यह व्यवस्था भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जंगलों की आग बुझाने में आम लोगों का सहयोग जरूरी : भट्ट

देहरादून।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने मंगलवार को बलवीर रोड स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जंगलों की आग बुझाने में आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जंगलों की आग से निपटने के लिए सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। आम लोगों का भी इसमें सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए सरकार ने प्लान तैयार किया है और इसके तहत वायु सेना, एनडीआरएफ को भी मोर्चे पर तैनात किया गया है। भट्ट ने कहा कि जंगलों की आग की समस्या का स्थाई समाधान यही है कि लोग किसी भी सूरत में जंगलों में आग न लगने दें और आग लगाने वाले लोगों की पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि इस बार शीतकाल में और वसंत ऋतु में हुई कम बारिश की वजह से जंगलों में आग की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आग को नियंत्रित करने के लिए जन सहयोग लेने के साथ ही कड़े कदम भी उठा रही है। आग पर नियंत्रण के लिए सेना को बुलाना और गैंगस्टर एक्ट लगाने का निर्णय सराहनीय है। उन्होंने विपक्ष से अनुरोध किया कि वह आग की घटनाओं पर राजनीति न करे और इस समस्या से निपटने में सरकार को सहयोग प्रदान करे।

जल संस्थान की आपत्ति को खारिज करे शासन

देहरादून।पेयजल कर्मचारियों के वेतन, पेंशन का भुगतान सीधे ट्रेजरी से किए जाने पर जल संस्थान की ओर से जताई गई आपत्ति का विरोध तेज हो गया है। जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा ने शासन पर दबाव बनाते हुए जल संस्थान मैनेजमेंट की आपत्ति को सिरे से खारिज किए जाने की मांग की। मोर्चा ने मंगलवार को शासन को भेजे पत्र में अपना विरोध जताया। मोर्चा के संयोजक रमेश बिंजौला और विजय खाली ने कहा कि ये पहला मौका है, जब शासन कर्मचारियों के हितों की बात कर रहा है और मैनेजमेंट उसका विरोध कर रहा है। जबकि ट्रेजरी से वेतन, पेंशन का भुगतान होने का सबसे अधिक लाभ अधिकारी वर्ग को मिलना है। उसके बाद भी मैनेजमेंट में बैठे अफसर अपने निजी स्वार्थों के लिए हजारों कर्मचारियों के हितों से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसा किसी भी सूरत में होने नहीं दिया जाएगा। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि जल निगम और जल संस्थान की जो संयुक्त रिपोर्ट शासन के पास पहुंची है, उस पर सकारात्मक कार्रवाई की जाए। जल संस्थान मैनेजमेंट की आपत्ति को एक सिरे से खारिज कर दिया जाए। मोर्चा ने जल संस्थान मैनेजमेंट को भी चेतावनी देते हुए जल्द अपना सकारात्मक पक्ष शासन में देने को दबाव बनाया। चेताया कि यदि कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने वाली प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया गया, तो प्रदेश स्तरीय आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

देहरादून में 129 जगह चलेगा बुलडोजर पहले चरण में हटेंगी ये 27 अवैध बस्तियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 08 मई : नदी-नालों के किनारे खाली जमीनों पर कब्जा और फिर अवैध निर्माण कर खरीद-फरोख्त का खेल वर्षों से चल रहा है। सरकारी भूमि पर मकान बनाकर 100-100 रुपये के स्टांप पर बेच दिए गए। अब इन मकानों को खरीदने वालों पर बेघर होने का खतरा है।राजधानी देहरादून में लगातार अतिक्रमण चल रहा है, लोग बस्तियां बनाकर अवैध निर्माण कर रहे हैं। लेकिन सरकार ने अब इनपर कार्रवाही करनी शुरू कर दी है। एनजीटी और हाईकोर्ट के निर्देश पर नगर निगम देहरादून ने अतिक्रमण और वर्ष 2016 के बाद की अवैध बस्तियों को हटाने के लिए अपनी कमर कस ली है। नगर निगम ने इसके तहत पहले चरण में रिस्पना नदी के किनारे काठ बंगला से मोथरोवाला तक 27

अवैध बस्तियों को चिन्हित किया है। अब कमेटी जांच करके इन सभी को नोटिस भेजने का काम कर रही है।

नगर निगम में दून क्षेत्र में कुल 129 बस्तियों को चिन्हित किया है और इनमें करीब 40 हजार भवन होने का अनुमान है। वर्ष 2016 के बाद किए गए निर्माण नियम के अनुसार ये अवैध करार दिए गए हैं। बेखौफ होकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से बस्तियों का विस्तार करके इनमें सैकड़ों नए भवन तैयार किए गए हैं। नगर निगम ने पिछले आठ साल से इनपर ध्यान भी नहीं दिया। सरकारी नियमानुसार वैसे तो मलिन बस्तियौं में जमीन या भवनों की खरीद-फरोख्त की अनुमति किसी को नहीं है लेकीन शहर की तमाम बस्तियों में लोग धड़ल्ले से खरीद-फरोख्त चल रही है। यहाँ पर 10 रुपये से लेकर 100-100 रुपये के स्टांप पेपर पर बस्तियों में नए निर्माण कर बेच दिए गए हैं, अब नगर निगम रिस्पना की वास्तविक चौड़ाई जानने के लिए सर्वे कर रहा है।

काठ बंगला ढाक पट्टी, काठ बंगला-2, आर्य नगर बस्ती करनपुर, वीर गब्बर सिंह कॉलोनी किशनगर, बार्डी गार्ड जाखन, अंबेडकर कॉलोनी डीएल रोड अधोईवाला, रिस्पना खटीक कॉलोनी, विजय नगर अघोईवाला, भगत सिंह कॉलोनी अघोइवाला, चंदर रोड डालनवाला, पंचपुरी चंद्र नगर डालनवाला, गांधी बस्ती डालनवाला, बलबीर रोड डालनवाला, संजय कॉलोनी मोहिनी रोड धर्मपुर, शिव नगर अजबपुर, राजीव नगर भाग-2 रिस्पना, राजीव नगर भाग-1, रिस्पना नगर अजबपुर कला, अपर राजीव नगर धर्मपुर, केदारपुर मलिन बस्ती केदारपुर, दीप नगर अजबपुर कला, ऋषि नगर अघोईवाला, आनंद ग्राम अघोईवाला, राजीव नगर कंडोली, गैस गोदाम किशन नगर राजपुर रोड, नेमी रोड मलिन डालनवाला, शास्त्री नगर चूना भट्टा और इंद्रा पुरम कॉलोनी को चिन्हित किया गया है।

रवींद्रनाथ टैगोर को पुष्पाजंलि अर्पित की

रुड़की। भाजपा नेता व मानवाधिकार ब्यूरो उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट नवीन कुमार जैन के नेतृत्व में मंगलवार को राष्ट्रगान रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के उपलक्ष्य में तहसील कैम्प कार्यलय पर उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की गई। नवीन कुमार जैन ने कहा कि टैगोर ने राष्ट्र की एकता व अखंडता को कायम रखने के लिए भारतवर्ष के समस्त वर्गों, प्राकतिक संसाधनों, विभिन्न जातियों को समावेश करते हुए एकीकृत भाव मे स्वतंत्र भारत हेतु राष्ट्रगान बंगाली भाषा में आमार सोनार बांग्ला व राष्ट्रगान जन गण मन की रचना की। समाजसेवी जिला भाजपा शोशल मीडिया प्रभारी पंकज नन्दा ने कहा कि हम सबको भारत माता को सम्मान देने की शपथ लेनी चाहिए। इस दौरान पूर्व महिला आयोग सदस्य उत्तराखंड सरकार रश्मि चौधरी, बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष अधिवक्ता सुनील कुमार गोयल,आशीष पंडित, बृजेश सैनी, अनुज आत्रेय, अनिल वर्मा, क्षेत्रीय पार्षद वीरेंद्र गुप्ता, सोनू कश्यप, सचिन गोंड़वाल, नरेश कुमार, जैन समाज अध्यक्ष नरेंद्र जैन, राजेश वर्मा, पंकज जैन आदि मौजूद रहे।

रुड़की में भाजपा का निकाय चुनाव को लेकर मंथन

रुड़की। भाजपा जिला कार्यालय रुड़की पर निकाय चुनाव को लेकर मंगलवार को एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ने कहा कि सभी को निकाय चुनाव की वोटिंग लिस्ट में अपना नाम चेक कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में सभी की भागीदारी होनी चाहिए। सभी मंडल प्रभारियों को संभावित अध्यक्ष एवं पार्षद उम्मीदवारों की सूची तैयार करने को भी कहा। उन्होंने बताया कि अगले सात दिनों तक वार्ड वार सभी नगर निगम, सभी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। अगले तीन दिनों तक घर-घर जाकर मतदाता सूची में छूटे हुए नाम शामिल होंगे। नाम में यदि कोई त्रुटि हो तो वह भी सुधार की जाएगी। जिसके लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि कोई बीएलओ या सुपरवाइजर लापरवाही करेगा तो उसके विरुद्ध चुनाव आयोग के द्वारा कार्रवाई होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मंडल प्रभारी अपने-अपने मंडलों में जाकर मंडल पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक कर निकाय चुनाव संबंधित तैयारी सुनिश्चित करें। क्योंकि जल्दी चुनाव होने प्रस्तावित है। उन्होंने सभी मंडल पर प्रभारियों को संभावित अध्यक्ष ,पार्षदों की सूची तैयार करने के लिए भी कहा। बैठक में भाग लेने वालों में जिला महामंत्री अरविंद गौतम, प्रवीण संधू, जिला उपाध्यक्ष सोनू धीमान, भीम सिंह, प्रदीप पाल,सावित्री मंगला, राजबाला सैनी, चतरसेन,जिला मंत्री सतीश सैनी, गीता कार्की, प्रमोद चौधरी, सौरभ गुप्ता, नितिन गोयल ,पंकज नंदा, आकाश आदि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में मां की मौत पिता और दो बेटे घायल

रुड़की। मंगलौर देवबंद मार्ग पर बीते सोमवार को सड़क दुर्घटना में दंपति सहित दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। महिला को उपचार के लिए पहले रुड़की भेजा गया। जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। चिकित्सकों ने सोमवार देर रात उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़ित पक्ष द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है। इस संबंध में निशु कुमार निवासी ग्राम सोहलपुर सिकरौढा थाना भगवानपुर द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई है।

जायरीनों ने दरगाह में चढ़ाई चादर

रुड़की। क्षेत्र के बढ़ेडी राजपुताना गांव में तीन दिवसीय दरगाह हजरत हाफिज मोहम्मद इस्हाक रह. अलैहि. के 74 वां सालाना उर्स मंगलवार को कुल शरीफ की रस्म के साथ संपन्न हो गया। दरगाह में कुल की रस्म पर अकीदतमंदों ने दरगाह को केवड़े और गुलाब जल से महकाया। जिससे दरगाह परिसर केवड़े और गुलाब जल की खुशबू से महक उठी। जायरीनों ने दरगाह में चादर फूल पेश कर अपने परिवार ओर देश की सलामती और खुशहाली की दुआ मांगी। सैय्यद वासिफ हुसैन साबरी ने बताया कि सालाना उर्स में परंपरागत रस्में निभाई जाती हैं। इन सब रसुमात में सबसे आखरी रस्म कुल शरीफ की रस्म होती है। उर्स में मंगलवार की सुबह स्थानीय अकीदतमंदों के साथ मिलकर दरगाह शरीफ को केवड़ा और गुलाब जल की खुशबू से महकाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंद स्थानीय लोग मौजूद रहे।

झबरेड़ा में बिजली चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज

रुड़की। विद्युत विजिलेंस टीम देहरादून ने मंगलवार को क्षेत्र में छापेमारी कर दो स्थानों से रंगेहाथों बिजली चोरी पकड़ ली। आरोपी के खिलाफ थाना झबरेड़ा में विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। विद्युत उपखंड अधिकारी झबरेड़ा मोहम्मद रिजवान ने तहरीर देकर बताया कि ग्राम शेरपुर खेलमऊ के पास स्थित पराग कंपनी और वहीं पास में स्थित एक नलकूप से विद्युत चोरी पकड़ी गई है। उपखंड अधिकारी ने अमित कुमार के खिलाफ तहरीर दी है। इसके साथ ही अवर अभियंता सीमायला द्वारा ग्राम भरतपुर में छापा मारकर मनोज कुमार को बिजली चोरी करते रंगे हाथ पकड़ लिया।

लंढौरा में दूसरे दिन भी हटाया अतिक्रमण

रुड़की। नगर पंचायत प्रशासन लंढौरा की ओर से मंगलवार को दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान गंदगी और अतिक्रमण करने वाले नौ लोगों के चालान भी काटे गए। लंढौरा में रुड़की लक्सर मार्ग पर दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहा। नगर पंचायत ईओ राजकुमार भारती ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सात दुकानदारों की ओर से गंदगी फैलाने का मामला सामने आया है। वही दो लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने बताया कि इस पर नौ लोगों का चालान काट कर 2900 रुपये की धनराशि वसूली गई है। इससे एक दिन पहले एसडीएम गोपाल सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटवाया गया था।

मंगलौर में खेत पर काम कर रहे किसान से मारपीट

रुड़की। बीती चार मई को मंगलौर के मुंडलाना में खेत पर काम कर रहे एक किसान के साथ कोतवाली के एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने साथी के साथ मिलकर मारपीट की। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़ित द्वारा घटना के संबंध में पुलिस को तहरीर दी गई। जिसके आधार पर पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव मुंडलाना निवासी सागर कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव का एक व्यक्ति उससे रंजिश रखता है। बताया गया कि 4 मई की शाम को वह अपने खेत पर काम कर रहा था तभी वहां पर आरोपी अपने साथी के साथ पहुंचा। उसके साथ अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर लाठी डंडों के साथ उस पर हमला कर दिया गया। बाद में हिस्ट्रीशीटर ने तमंचा निकाल कर उसकी बट से मारा। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इंस्पेक्टर अमरचंद शर्मा ने बताया कि पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली के हिस्ट्रीशीटर टोनू तथा उसके एक अन्य साथी निवासी ग्राम मुंडलाना के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

अभद्रता कर रहे युवक के खिलाफ कार्रवाई

रुड़की। पुलिस ने राहगीरों के साथ अभद्रता कर रहे एक युवक के खिलाफ शांति भंग में कार्रवाई की। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर में एक युवक राहगीरों के साथ अभद्रता कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभद्रता कर रहे युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपी ने अपना नाम शेखर निवासी सिकंदरपुर थाना भगवानपुर बताया है। उप निरीक्षक विनय मोहन ने बताया कि युवक का शांति भंग में चालान कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

संक्षप्ति खबरें

क्रिप्टो करेंसी से कमाई के झांसे में गंवाए 7.51 लाख

देहरादून।क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर कमाई झांसे में आकर एक व्यक्ति ने 7.51 लाख रुपए गंवा दिए। साइबर ठगी को लेकर पीड़ित की तहरीर पर पटेलनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुनील पंत निवासी सुद्धोवाला ने एसएसपी कार्यालय में तहरीर दी। बताया कि पिछले साल उन्हें एक महिला के नाम से बनाए गए एकाउंट के जरिए टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ा गया। उसमें कई अन्य लोग जुड़े थे। आरोपियों ने अपनी एप के जरिए क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने पर मोटी कमाई का झांसा दिया। झांसे में आकर पीड़ित ने 7.51 लाख रुपए का निवेश किया। इसके बाद पीड़ित को साइबर धोखाधड़ी का पता लगा। एसओ प्रेमनगर गिरीश नेगी ने बताया कि मामले में सोमवार को अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिन खातों में रकम गई पुलिस उनकी जांच कर रही है।

वन निगम कर्मचारियों ने नए वन मुखिया से की मुलाकात

देहरादून।उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को नए पीसीसीएफ डा. धनंजय मोहन से वन मुख्यालय में मुलाकात की। इस दौरान कर्मचारियों ने उन्हें अपनी वन विभाग से जुड़ी समस्याएं बताई। संगठन के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान ने कहा कि वन विकास निगम में लौगिंग कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए छपान लॉटों का आवंटन नहीं हो पा रहा है। जिससे निगम को काम में दिक्कत आ रही है। उन्होंने निगम का बकाया पैसा भी वापस लौटाने की मांग की। कहा कि निगम की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि डा. धनंजय मोहन पूर्व में निगम में एमडी भी रह चुके हैं,ऐसे में उम्मीद है कि वे निगम की दिक्कतों को समझेंगे और उन पर कार्रवाई करेंगे। मिलने वालों में अध्यक्ष ललित शर्मा,प्रदेश महामंत्री गिरीश नैथानी,कोषाध्यक्ष बुद्धि सिंह राणा औरर उप महामंत्री राजेंद्र राणा शामिल रहे।

नीचे की दुकानों के बोर्ड से ढकीं ऊपर की दुकानें

देहरादून।कांग्रेस महानगर व्यापार प्रकोष्ठ की डिस्पेंसरी रोड पर मंगलवार को हुई बैठक में एमडीडीए की ओर से बाजार में लगाए जा रहे बोर्डों के साइज पर एतराज जताया है। प्रकोष्ठ ने कहा कि बोर्ड बड़े होने के कारण ऊपर की दुकानें ढक रहीं हैं। व्यापारियों ने बोर्ड का साइज कम करने की मांग की है, ताकि दुकानदारों को परेशानी न हो। व्यापारियों ने कहा कि एमडीडीए की ओर से बाजार में करीब चार फुट ऊंचे बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इससे ऊपर की मंजिल की दुकानों से नीचे नहीं दिखाई दे रहा है। लिहाजा, इसे ठीक किया जाए। व्यापारियों ने एमडीडीए की ओर से दुकानों पर किए जा रहे पेंट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पेंट से दुकानों की सुंदरता खराब हो रही है। बैठक में सुनिल कुमार बांगा, सुरेश गुप्ता, मनोज कुमार, राजेश मित्तल, सीटू राजवंशी छाबड़ा, राम कपूर, अजीत सिंह, चमन लाल, प्रवीण बांगा, राजेंद्र सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह घई, विजय, मनोज कुमार, राहुल कुमार आदि मौजूद थे।

देहरादून में स्कूल में दवा पीने के बाद 18 बच्चे बीमार, उल्टी-पेट दर्द की शिकायत पर पहुंचे अस्पताल

देहरादून।देहरादून के रेस्ट कैंप स्थित होप स्कूल के 18 बच्चों को बीमार होने पर मंगलवार को दून अस्पताल की इमरजेंसी लाया गया। यहां पर उन्हें प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, निवर्तमान मेयर सुनियाल उनियाल गामा, पूर्व मंत्री दिनेश अग्रवाल मौके पर पहुंचे और परिजनों और डॉक्टर से पूरी घटना का अपडेट लिया। परिजनों ने बताया कि यह घटना करीब 10:00 बजे की है कुछ बच्चे जब उल्टी और पेट दर्द की शिकायत लेकर घर पहुंचे तो परिजनों की दौड़ स्कूल में लग गई और ई रिक्शा और अपने वाहनों से उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां पर इमरजेंसी इंचार्ज डॉक्टर मुकेश उपाध्याय और बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव मुखिया ने उनका उपचार दिया। डॉक्टर के मुताबिक आयरन और फोलिक एसिड की वजह से पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हो सकती है। संभावित खाली पेट में भी यह दिक्कत आती है। इस वजह से ऐसा रहा होगा फिलहाल किसी बच्चे को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है।

कांग्रेस ने प्रवेश रावत को पार्टी से निकाला

देहरादून। कांग्रेस ने कोटद्वार निवासी प्रवेश रावत को पार्टी विरोधी गतिविधियों और वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की जा रही बयानबाजी के चलते तत्काल प्रभाव से पार्टी प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रशासन- संगठन मथुरा दत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा और अनुशासन समिति के अध्यक्ष नवप्रभात के निर्देश पर अनुशासन समिति ने यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अनुशासनहीनता सहन नहीं की जाएगी।